

यूपी में निर्माणाधीन पुल का स्लैब गिरा, 6 की मौत

अफसर बोले- आंधी-बारिश के चलते हादसा, 3 मजदूरों को बचाया गया

हमीरपुर, एजेंसी। यूपी के हमीरपुर में बेतवा नदी पर बन रहे निर्माणाधीन पुल का स्लैब शुकुवार देर रात 2 बजे गिर गया। हादसे में 6 मजदूरों की मौत हो गई। स्टेट डिजिस्टर रिस्पॉन्स फोर्स (SDRF) ने मलबे में फंसे 3 मजदूरों को निकाला। साढ़े 7 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चला।

उत्तर प्रदेश ब्रिज कॉर्पोरेशन के एमडी धर्मवीर सिंह ने बताया कि आंधी-बारिश के कारण स्लैब गिरा और नीचे सो रहे मजदूर दब गए। हादसे के बाद सहायक अभियंता गजेन्द्र कुमार चौधरी को निलंबित कर दिया गया है। डीपीएम दिलीप कुमार पर विभागीय कार्रवाई शुरू की जा रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, हमीरपुर में देर रात 70-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार

प्रत्यक्षदर्शी सुरेश कुमार ने बताया

पुल पर दो शिफ्ट में काम होता है। जिस वक़्त आंधी आई, पहली शिफ्ट के लोग पुल के नीचे थे, जबकि दूसरी शिफ्ट के 7 मजदूर पुल पर काम कर रहे थे। उनमें में भी था। आंधी से बचने के लिए हम लोग पुल पर लेट गए। इसी बीच हादसा हो गया। उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम पुल का निर्माण करवा रहा है। इसकी लागत 90 करोड़ रुपए है। 1700 मीटर लंबा दो लेन का ब्रिज मोराकांड से कुरारा गांव के बीच बनाया जा रहा है।



पुणे में जहरीली शराब पीने से 15 की मौत

सीएम फडणवीस ने जांच के आदेश दिए, अब तक 8 लोग हिरासत में

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे में जहरीली शराब पीने से पिछले 24 घंटे में 15 लोगों की मौत हो गई है। ये मौतें हडपसर, फुगेवाडी, वापोडी और पिंपरी इलाके में हुई हैं। पुलिस और राज्य आबकारी विभाग ने जॉइंट कार्रवाई करते हुए 8 लोगों को हिरासत में लिया है। इनमें एक अवैध शराब कारोबारी भी शामिल है।

जांच में सामने आया है कि शराब में मेथेनॉल हो सकता है। मामला सामने आने के बाद सीएम देवेंद्र फडणवीस ने जांच के आदेश दे दिए हैं।

पुलिस बोली- पांच लोगों की मौत अलग-अलग कारणों से हुई, जांच जारी

स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया है कि प्रतिबंधित हाथ भट्ठी की जहरीली शराब पीने से इन लोगों की मौत हुई है। इस मामले को लेकर पुलिस प्रशासन पर भी सवाल उठ रहे हैं। राढ़वादी कांग्रेस के नेता तथा पूर्व महापौर योगेश बहल ने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

हालांकि, पिंपरी-चिंचवड पुलिस का कहना है कि 5 लोगों की मौत अलग-अलग कारणों से हुई है। लेकिन मृतकों में कई लोगों को मौत से पहले चक्कर आया था, जिससे जहरीली शराब की आशंका जताई गई है।

पीड़ितों में एक से दिखे लक्षण

पुणे से पांच मौतों की सूचना मिली है, जिनमें से तीन काले पाडल में और दो हडपसर में हुई हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि ये मौतें नकली शराब पीने से हुई हैं। वहीं, पुलिस का कहना है कि मौतों का असली कारण फ़ॉरेंसिक और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा। जांचकर्ताओं ने बताया कि पीड़ितों की ओर से बताए गए लक्षणों में समानताएं थीं। उन्होंने आगे कहा कि कई लोगों ने चक्कर आना, बेहोश होने से पहले बेवनी, मुंह से झाग निकलना, सांस लेने में कठिनाई और हृदय गति में अचानक गिरावट की शिकायत की।

घर में आग लगने से रिटायर्ड आईएस अफसर की मौत

एसी ब्लास्ट हुआ था, कॉम्पिटीशन कमीशन के पहले चेयरमैन थे धनेंद्र कुमार

नई दिल्ली, एजेंसी। रिटायर्ड आईएस अधिकारी धनेंद्र कुमार की दिल्ली के होज खास स्थित उनके घर में आग लगने से मौत हो गई। शुरुआती जांच के मुताबिक, आग एयर-कंडीशनिंग यूनिट में हुए ब्लास्ट के कारण लगी थी। हादसे के वक़्त घर में पांच लोग मौजूद थे। धनेंद्र के बेटे का अस्पताल में इलाज जारी है। हरियाणा कैडर के 1968 बैच के आईएसएस अधिकारी धनेंद्र कुमार 80 साल के थे। वे वर्ल्ड बैंक में एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर भी रह चुके थे। साथ ही कॉम्पिटीशन कमीशन ऑफ इंडिया (CCI) के पहले चेयरमैन भी थे। CCI एक सरकारी संस्था है जो यह सुनिश्चित करती है कि कोई कंपनी बाजार में अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल न करे। CCI की स्थापना 2003 में हुई थी। आयोग ने पूरी तरह कामकाज मई 2009 से शुरू किया।

राहुल ने दिल्ली में ऑटो ड्राइवरों के साथ खाना खाया

यूनिफॉर्म पहनी, पार्क में आधे घंटे बैठकर बातचीत की; कहा- संसद में मुद्दे उठाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शुकुवार को दिल्ली के बंगाली मार्केट में बने टोडरमल पार्क में ऑटोरिक्शा ड्राइवर्स के बीच पहुंचे। जहां उन्होंने ऑटोचालकों से बात की। राहुल उनका यूनिफॉर्म पहने भी नजर आए। पार्क में बैठे राहुल के कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिसमें वे ऑटो ड्राइवर्स के साथ खाना खाते नजर आ रहे हैं। इस दौरान वे ऑटो की सवारी करते भी नजर आए।

न्यूयॉर्क मेयर ममदानी ने ईरान जंग का विरोध किया

कहा- इसमें हजारों जान गईं, लोग एक लापरवाह फैसले की कीमत चुका रहे

तेल अवीव/तेहरान/वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने ईरान जंग का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि यह युद्ध अब खत्म होना चाहिए, क्योंकि इसकी सबसे बड़ी कीमत आम लोग चुका रहे हैं। सोशल मीडिया वीडियो में एक्स पर पोस्ट करते हुए ममदानी ने कहा, आज से तीन महीने पहले एक ऐसा युद्ध शुरू हुआ था, जिसके लिए किसी ने वोट नहीं किया था। लेकिन इसकी कीमत उन लोगों ने चुकाई, जिनकी इसमें कोई आवाज नहीं थी। उन्होंने कहा कि इस युद्ध में हजारों नागरिकों की जान जा चुकी है। साथ ही 13 अमेरिकी सैनिक भी मारे गए, जो अब कभी अपने परिवारों के पास वापस नहीं लौट पाएंगे। ममदानी ने कहा कि इस युद्ध का असर सिर्फ युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि अमेरिका के आम लोगों पर भी पड़ रहा है।

15 राज्यों में प्री-मानसून बारिश का अलर्ट

लखनऊ में प्लेटफॉर्म का शेड गिरा; बिहार में भारी बारिश, 20 जिलों में दिन में अंधेरा

यूपी में 100 किमी का तूफान

नई दिल्ली/ भोपाल/ जयपुर/ लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश, बिहार सहित 15 से ज्यादा राज्यों में शुकुवार को बारिश का अलर्ट है। मध्य प्रदेश में 6 जिलों में दिन में होटवेव चलेगी, जबकि शाम को बारिश के साथ ओले गिर सकते हैं। राजस्थान में 12 जिलों में बारिश हो सकती है। यहां आंधी का भी अलर्ट है।

गुरुवार को श्रीगंगानगर में नौतपा के बीच शाम को ओले गिरे, लेकिन यहां दिन का अधिकतम तापमान 47.1 डिग्री रहा। यूपी में गर्मी के बजाय बारिश-आंधी का सिलसिला जारी है। शुकुवार सुबह लखनऊ, प्रयागराज, झांसी और चंदौली में तेज आंधी-तूफान के साथ बारिश हुई। 100 किमी. की रफ्तार से हवाएं चलीं। हमीरपुर में तूफान के चलते अंडर कंस्ट्रक्शन पुल गिर गया। जिसमें 6 की मौत हो गई। लखनऊ में रेलवे स्टेशन का टिन शेड गिर गया।

2 लोग घायल हुए। बिहार में आंधी-बारिश के बीच बिजली गिरने से 3 की मौत हो गई। 20 जिलों में दिन में अंधेरा छाया है। लोग गाड़ियों की लाइट जलाकर चल रहे हैं। मौसम विभाग बोला- औसत बारिश का अनुमान 2 सेंटीमीटर घटा।

कर्नाटक में 4 डिप्टी सीएम हो सकते हैं, शिवकुमार सीएम होंगे

शपथ अगले हफ्ते संभव; सिद्धारमेया का इस्तीफा मंजूर

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमेया का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है। शुकुवार को बेंगलुरु पहुंचे राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने नोटिफिकेशन जारी किया। अब मौजूदा डिप्टी सीएम छीके शिवकुमार प्रदेश के अगले मुख्यमंत्री होंगे। तब तक सिद्धारमेया कार्यवाहक सीएम रहेंगे। इधर, इस्तीफा देने के बाद सिद्धारमेया और छीके शिवकुमार दिल्ली पहुंचे। सिद्धारमेया ने सोनिया-राहुल से मुलाकात की। इसके बाद वे मल्लिकार्जुन खड्गे से मिलने गए। न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक पार्टी सूत्रों ने कहा है कि छीके अगले हफ्ते नए मंत्रियों के साथ शपथ ले सकते हैं। साथ ही सरकार में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने के लिए 4 डिप्टी सीएम भी बनाए जा सकते हैं।

सरकार बोली- नीट मामले पर खुद पीएम की नजर है

सुप्रीम कोर्ट बोला- ये घटनाएं युवाओं को झकझोरने वाली, हम उन्हें निराश नहीं कर सकते

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में शुकुवार को NEET-UG पेपर लीक मामले से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई की। सॉलिडिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद इस मामले पर नजर रख रहे हैं ताकी कोई चूक न हो। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि NEET पेपर लीक जैसी घटनाएं युवाओं को झकझोरने वाली हैं। हम युवाओं को निराश नहीं कर सकते। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- ऐसे मामलों में जब तक जवाबदेही तय नहीं की जाएगी, ये घटनाएं रुकेंगी नहीं। केस की सुनवाई आई कर रहे जस्टिस नरसिम्हा ने शिक्षा मंत्रालय से NEET-UG परीक्षाओं की जांच प्रक्रिया ब्योरा मांगा है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने बताया कि पेपर लीक के बाद बड़े लेवल पर सुरक्षा सुधार किए हैं। देशभर में 3 मई को NEET-UG परीक्षा हुई थी। 7 मई की शाम पेपर लीक की खबर सामने आई थी। 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी गई। 21 जून को री-एग्जाम होगा।

एशियन गेम्स के लिए ट्रायल दे सकेंगी पहलवान विनेश फोगाट

सुप्रीम कोर्ट ने अनुमति दी, कहा- आप शानदार रसलर, लेकिन देश सबसे पहले; आज से ट्रायल्स

चंडीगढ़, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा की ओलिंपियन रसलर विनेश फोगाट को एशियन गेम्स के ट्रायल की अनुमति दे दी है। 28 मई को रसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (WFI) ने फोगाट का ट्रायल रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अर्जी लगाई थी, जिसे जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक आराधे की बेंच ने ठुकरा दिया। ये ट्रायल 30 व 31 मई को दिल्ली में होने हैं। इन ट्रायल में प्रदर्शन के आधार पर इसी साल सितंबर में जापान में होने वाली एशियन गेम्स में खिलाड़ियों का चयन होगा। दिल्ली हाईकोर्ट ने 22 मई को दिए आदेश में विनेश फोगाट को चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दी थी। इसी फैसले को WFI ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। जस्टिस नरसिम्हा ने कहा, 'आप शानदार रसलर हैं, आपने देश को गर्व महसूस कराया है, लेकिन देश पहले है। हाईकोर्ट पूरे शेड्यूल को बाधित नहीं कर

हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के जंगलों में लगी आग

धुएं से पहाड़ों में विजिबिलिटी घटी; वायुसेना का ऑपरेशन जारी

शिमला/देहरादून/श्री नगर, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के जंगलों में लगी आग अब बड़े संकट का रूप लेती जा रही है। हिमाचल प्रदेश के सोलन के कसौली में लगी आग सैन्य प्रतिष्ठानों और रिहायशी इलाकों तक पहुंच गई। इसके बाद भारतीय वायुसेना को राहत अभियान में उतारना पड़ा। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में जंगल की आग गंगोत्री हाईवे तक पहुंच गई और धुएं से घिरे एक गेस्ट हाउस से 70 यात्रियों को लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। तेज गर्मी, और रामबन जिलों में कई दिनों से जंगल धधक रहे हैं और कई गांव आग की चपेट में आ गए। धुएं के घने गुबार से पहाड़ों में विजिबिलिटी घट गई है और कई इलाकों में लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। तेज गर्मी, सूखे जंगल और तेज हवाओं के कारण आग लगातार फैल रही है। हिमाचल में वायुसेना ने रात में भी हेलीकॉप्टर ऑपरेशन जारी रखा, जबकि जम्मू-कश्मीर में दुर्गम पहाड़ी इलाकों और तेज हवाओं के कारण राहत अभियान प्रभावित हो रहा है।

उत्तराखंड: 3 लोगों की मौत, 340 हेक्टेयर से ज्यादा जंगल राख

वनाग्नि(फारेस्ट फायर) की 388 से ज्यादा घटनाएं दर्ज। 3 लोगों की मौत, 340 हेक्टेयर से ज्यादा जंगल जल चुके हैं। उत्तरकाशी के बड़ेशी क्षेत्र में आग बस्ती और गंगोत्री हाईवे तक पहुंची। चमोली के आदिबदरी क्षेत्र में आग खेतों और गांवों तक फैली। कालसी क्षेत्र में स्कूल तक पहुंची आग। धुएं से कई इलाकों में दिन में भी धुंध जैसे हालात बने। पौड़ी में जंगल में आग लगाने के आरोप में 2 लोगों को गिरफ्तार किया।

कर्नाटक में कांग्रेस का चार डिप्टी सीएम के फॉर्मूले पर मंथन, सिद्धरमैया के बेटे को मिल सकती है कैबिनेट में जगह

चेन्नई, एजेंसी। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के इस्तीफे के बाद से कर्नाटक की राजनीति में बड़ा उलफेर देखने को मिल रहा है। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, कर्नाटक में डीके शिवकुमार के नेतृत्व में बनने जा रही नई सरकार में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन साधने के लिए चार डिप्टी सीएम बनाए जा सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार आज दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलकर राज्य मंत्रिमंडल में फेरबदल पर चर्चा करेंगे। जिसमें चार डिप्टी सीएम को लेकर भी मंथन होगा। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, कर्नाटक के पूर्व सीएम सिद्धरमैया, डीके शिवकुमार और वृष्ट्ठ के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ चर्चा करेंगे। सूत्रों ने बताया कि इस बैठक के दौरान



राज्यसभा उम्मीदवारों, रूष्ट उम्मीदवारों और मंत्रिमंडल में फेरबदल पर सबसे ज्यादा जोर दिया जाएगा।

चार डिप्टी सीएम बनाने की संभावना: सूत्रों ने आगे बताया कि सिद्धरमैया के मंत्रिमंडल के कई मंत्रियों को

डीके शिवकुमार के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में जगह मिलने की संभावना कम है। पार्टी सूत्रों ने संकेत दिया कि सरकार में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने के लिए चार उपमुख्यमंत्री बनाए जा सकते हैं।

सिद्धरमैया के बेटे को मिल सकती है अहम जिम्मेदारी: सूत्रों के अनुसार, सिद्धरमैया के बेटे और विधान परिषद के सदस्य यतींद्र को डीके शिवकुमार की कैबिनेट में शामिल किए जाने की पूरी उम्मीद है। उन्हें कोई अहम मंत्रालय मिलने की संभावना है, ताकि सिद्धरमैया की विरासत को आगे बढ़ाने का संदेश दिया जा सके। कांग्रेस विधायक दल की बैठक की तारीख आज तय की जाएगी जो कि अब महज एक औपचारिकता ही लगती है। इसके बाद, कर्नाटक के मुख्यमंत्री के तौर पर डीके शिवकुमार के शपथ ग्रहण समारोह की तारीख तय की जाएगी।

कर्नाटक की चार राज्यसभा सीटों पर होने हैं चुनाव: कर्नाटक में राज्यसभा की जिन चार सीटों पर चुनाव होने हैं, उनमें से कांग्रेस दो सीटें आसानी से जीतती दिख रही है। तीसरी सीट पर भी

उसे बढ़त हासिल है, जिसके लिए उसे बस कुछ और वोटों की जरूरत है। सूत्रों ने बताया कि AICC के प्रभारी रणदीप सुरजेवाला तीन में से दो राज्यसभा सीटों के लिए नामों का पैनेल पेश करेंगे, और खड़गे को राज्यसभा में दोबारा मौका दिया जाएगा। इसके अलावा, राज्य में विधान परिषद (MLC) की सात सीटों पर होने वाले चुनावों के लिए भी संभावित नामों का एक पैनेल पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को सौंपा जाएगा।

राज्यपाल ने स्वीकार किया इस्तीफा: कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने बीते गुरुवार अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने गुरुवार दोपहर तीन बजे लोकभवन जाकर अपना इस्तीफा सौंप दिया, लेकिन राज्यपाल की अनुपस्थिति के कारण उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं हुआ था।

नोएडा के भंगेल एलिवेटेड रोड पर लगेंगे 18.81 करोड़ के नाइज बैरियर, निवासियों को मिलेगी शोर से राहत



नोएडा, एजेंसी। अगाहपुर से एनएसईजेड सेक्टर-82 तक बने 4.5 किलोमीटर लंबे भंगेल एलिवेटेड रोड पर नाइज बैरियर (ध्वनि अवरोध) लगवाने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने टेंडर जारी कर दिया है। एक जून को टेंडर खोले जाएंगे। दो से तीन दिन में कंपनी का चयन कर लिया जाएगा। इसके बाद काम शुरू कराया जाएगा। संभवता दो माह में बैरियर लगाने का काम पूरा कर लिया जाएगा। इसके लिए 18.81 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। एलिवेटेड रोड आगाहपुर, सेक्टर-40, 49, 48, 107 बरोला, भंगेल गांव की

आबादी के बीच से निकला है। ट्रैफिक के शोर से आसपास के सेक्टर और गांव के निवासियों की परेशानी को देखते हुए नोएडा प्राधिकरण ने ये योजना बनाई है। प्राधिकरण एजेंसी का चयन करेगा। काम पूरा करने में एजेंसी को दो महीने का समय लगेगा। नोएडा प्राधिकरण वर्क सर्किल आठ वरिष्ठ प्रबंधक रोहित सिंह ने बताया कि साउंड बैरियर छह फिट ऊंचाई के लगावाए जाएंगे। इसके लिए मानक इंडियन रोड कांग्रेस (आइआरसी) से लिए गए हैं। मनुष्य की श्रवण क्षमता 80 डेसिबल होती है। इससे ज्यादा

मनुष्य बर्दाश्त नहीं कर सकता है। 0 से 25 डेसिबल पर तक की आवाज शांत वातावरण को दर्शाता है।

यदि आवाज की तीव्रता 80 डेसिबल से अधिक होती है तो मनुष्य बिमार पड़ने लगता है। वहीं, जब आवाज की तीव्रता 130-140 डेसिबल होती है तो व्यक्ति को बेचैनी होने लगती है लगातार इतनी तेज आवाज सुनने पर व्यक्ति बहरा भी हो सकता है।

उन्होंने बताया कि नाइस बैरियर हाईवे और घरों के बीच एक ध्वनि अवरोधक के रूप में काम करते हैं। यह ध्वनि को समाप्त नहीं करते बल्कि प्रभाव को कम कर उसकी क्षमता को कम कर देते हैं। यह 50 डेसिबल तक कम करने की क्षमता रखता है। ऐसे में घरों तक पहुंचने वाला ध्वनि प्रदूषण का प्रभाव काफी कम हो जाएगा।एलिवेटड रोड के दोनों ओर नाइज बैरियर लग जाने के बाद यहां पड़ने वाले सेक्टर-42, 48, 49, 47, 110, 107 के लोगों को परेशानी नहीं होगी।

होर्मुज में बढ़ा तनाव ईरान ने चार जहाजों पर दागीं मिसाइल

बुशहर में अमेरिकी विमान गिराने का भी किया दावा

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में स्थिति एक बार फिर बेहद संवेदनशील हो गई है। होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी सुरक्षा बलों ने समन्वय की कमी का हवाला देते हुए चार अज्ञात जहाजों पर चेतावनी मिसाइलें दागी हैं। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब हालिया सैन्य हमलों के कारण अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। ईरानी राज्य प्रसारक आईआरआईबी की रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना स्थानीय समयानुसार रात करीब 12:35 बजे हुई। चार अज्ञात जहाजों ने ईरानी सुरक्षा बलों को सूचित किए बिना फारस की खाड़ी में प्रवेश करने का प्रयास किया। जब इन जहाजों ने चेतावनी को नजरअंदाज कर दिया, तो ईरानी बलों ने उन पर चेतावनी शॉट दागे, जिसके बाद जहाजों को वापस लौटने पर मजबूर होना पड़ा। ईरान समर्थक मीडिया का दावा है कि इन जहाजों ने तय समुद्री प्रक्रियाओं



का पालन नहीं किया था। फिलहाल इन जहाजों की पहचान और उनकी मंजिल का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन कुछ रिपोर्ट्स में इनके संबंध अमेरिका से होने का दावा किया गया है। **बुशहर में विमान मार गिराने का दावा, यूएस ने किया खारिज:** इस घटना के तुरंत बाद, शुक्रवार तड़के ईरानी सरकारी टेलीविजन ने दावा किया कि ईरान की वायु रक्षा प्रणाली ने तटीय बुशहर प्रांत के जाम क्षेत्र में एक अमेरिकी विमान को मार गिराया

है। तस्नीम समाचार एजेंसी ने जाम काउंटी के गवर्नर मसूद तगेस्तानी के हवाले से इस बात की पुष्टि की। हालांकि, समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, अमेरिका ने ईरानी दावे को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। पिछले चार दिनों में दोनों देशों के बीच सैन्य टकराव काफी तेज हुआ है।

25 मई: अमेरिकी सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी मिसाइल ठिकानों और नावों पर हमले किए, जिसमें इस्लामिक

रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्पस के चार सैनिक मारे गए।

27 मई: अमेरिकी बलों ने चार ईरानी लड़ाकू ड्रोन मार गिराए और बंदर अब्बास में एक ग्राउंड-कंट्रोल स्टेशन को नष्ट कर दिया।

28 मई : ईरान ने कुवैत में एक अमेरिकी सैन्य अड्डे पर बैलिस्टिक मिसाइल दागी, जिसे हवा में ही सफलतापूर्वक रोक दिया गया।

नए अमेरिकी प्रतिबंध और युद्धविराम पर संस्पर्स: इस सैन्य तनाव के बीच, अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने ईरान के सैन्य अभियानों को मिलने वाले फंड को रोकने के लिए उसके तेल शिपिंग नेटवर्क पर नए प्रतिबंध लगा दिए हैं। इसके तहत आठ तेल टैंकरों को ब्लैकलिस्ट किया गया है, जिनमें मार्शल द्वीप समूह का फ्लोरा, कोमोरोस का हौकायो और पनामा का इल्ल गैप शामिल हैं। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि इसका उद्देश्य ईरान को सेना के पुनर्गठन के लिए तेल राजस्व जुटाने से रोकना है।

मरियम नवाज की लाहौर में सर्जरी

अस्पताल से ही सरकारी कामकाज देखने का दावा सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज की लाहौर के एक अस्पताल में बड़ी सर्जरी हुई है। प्रांतीय वरिष्ठ मंत्री मरियम औरगजेब ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मरियम नवाज का ऑपरेशन लाहौर के शरीफ मेडिकल सिटी अस्पताल में हुआ। सर्जरी पूरी होने के बाद उन्हें उनके निवास स्थान ‘जति उमरा’ में शिफर कर दिया गया है। मंत्री ने यह भी बताया कि अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान भी मुख्यमंत्री ने राज्य के महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्यों की निगरानी की। उन्होंने इंद-उल-अजहा के पहले दिन सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई और अन्य सरकारी मामलों पर नजर रखी। हालांकि, मंत्री ने आधिकारिक तौर पर यह

खुलासा नहीं किया कि यह सर्जरी किस वजह से की गई थी। सत्तारूढ़ पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के एक सूत्र ने संकेत दिया है कि मुख्यमंत्री को थायराइड से संबंधित कुछ समस्याएं थीं। संभव है कि यह ऑपरेशन उसी समस्या के समाधान के लिए किया गया हो। **सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस:** इस खबर के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। कुछ यूजर इस बात को लेकर हैरान हैं कि सर्जरी के तुरंत बाद कोई व्यक्ति सरकारी कामकाज कैसे देख सकता है। अदील नाम के एक सोशल मीडिया एक्टिविस्ट ने ‘एक्स’ पर लिखा कि किसी भी बड़े ऑपरेशन के बाद मरीज को पूरी तरह होश में आने में कम से कम 24 से 48 घंटे का समय लगता है।

गैर-विषय शिक्षकों ने जांची काँपी, छात्रों से सोशल मीडिया पर सकारात्मक पोस्ट लिखवाने का दबाव

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली को लेकर उठे विवाद के बीच अब सवाल केवल धुंधली स्कैन कॉपियों, गलत मूल्यांकन और तकनीकी गड़बड़ियां तक सीमित नहीं रह गया है। बोर्ड पर आरोप लग रहा है कि वह सोशल मीडिया पर छात्रों से ओएसएम की पूरी मूल्यांकन प्रणाली की विश्वसनीयता पर बोर्ड के समर्थन में पोस्ट करवाने के लिए कहलवा रहा है। साथ-साथ मूल्यांकन प्रक्रिया को लेकर भी नए-नए दावे सामने आ रहे हैं। कुछ परीक्षकों का आरोप है कि समय सीमा में मूल्यांकन पूरा करने के दबाव में विषय विशेषज्ञता तक से समझौता किया गया। विवाद की शुरुआत एक रेंट्रिट पोस्ट से हुई, जिसमें एक छात्र ने दावा किया कि स्कूल के शिक्षक छात्रों से इंस्टाग्राम पर पोस्ट और स्टोरी डालने के लिए कह रहे हैं। छात्र के अनुसार, उनसे यह लिखने को कहा जा रहा है कि उन्हें बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक मिले और ओएसएम मूल्यांकन से कोई समस्या नहीं हुई। त्रयोष्टेज तेजी से प्रसारित होने के बाद सोशल मीडिया पर यह बहस तेज हो गई कि क्या बढ़ते विवाद के बीच सकारात्मक नेटिव तैयार करने की कोशिश की जा रही है। छात्र ने यह भी दावा किया कि परीक्षा पास करने के बाद भी वह मानसिक रूप से आहत महसूस कर रहे हैं।

बोर्ड ने नहीं दिया जवाब: इसी बीच, जयपुर के एक पीएम श्री स्कूल द्वारा इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर साझा किया गया एक वीडियो भी चर्चा में आ गया। वीडियो में एक छात्र सीबीएसई की ओएसएम प्रणाली की तारीफ करता दिखाई दे रहा है और डिजिटल मूल्यांकन के सकारात्मक अनुभव साझा कर रहा है। हालांकि, वीडियो के सामने आने का समय सवालों के घेरे में है, क्योंकि उसी दौरान ओएसएम प्रणाली को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही थीं। हालांकि, इस संबंध में सीबीएसई प्रवक्ता से जवाब मांगा गया लेकिन कोई उत्तर नहीं आया। रेंट्रिट में एक छात्र द्वारा किया गया पोस्ट जिसमें वह स्कूल के शिक्षक पर ओएसएम के समर्थन में इंस्टाग्राम पर पोस्ट और स्टोरी डालने के लिए कह रहे हैं। सौजन्य- इंटरनेट मीडिया

जो शिक्षक मिला उसी से कॉपियां जांच कराईं: अब मूल्यांकन प्रक्रिया को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। कुछ शिक्षकों का दावा है कि आनलाइन जांच के दौरान कई विषयों की कॉपियां निर्धारित समय तक पूरी नहीं हो पा रही थीं। ऐसे में उपलब्ध शिक्षकों को कॉपियां आवंटित कर दी गईं। आरोप है कि रसायन विज्ञान की कॉपियां गैर-विषय शिक्षकों तक पहुंचीं, जबकि अंग्रेजी की उत्तर पुस्तिकाएं तक योग शिक्षक को जांचने के लिए दी गईं। शिक्षकों का कहना है कि कई परीक्षक पहली बार डिजिटल प्रणाली पर काम कर रहे थे और वास्तविक मूल्यांकन के दौरान ही सॉफ्टवेयर समझते हुए जांच कर रहे थे।

पूरी मूल्यांकन प्रणाली पर सवाल: कुछ शिक्षकों ने यह भी दावा किया कि मूल्यांकन पूरा करने के लिए सख्त समय सीमा तय की गई थी। कई मामलों में 12 मई की रात तक लक्ष्य पूरा करने का दबाव था ताकि 13 मई को परिणाम समय पर जारी किए जा सकें। शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यदि बोर्ड परीक्षाओं में विषय विशेषज्ञता से समझौता हुआ है, तो यह केवल तकनीकी गड़बड़ी नहीं बल्कि पूरी मूल्यांकन प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल है।

उड़ान ही नहीं पूरी यात्रा का अनुभव बदलेगी एअर इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी। एअर इंडिया अब यात्रियों की यात्रा को सिर्फ उड़ान तक सीमित नहीं मान रही, बल्कि पूरी एंड-टू-एंड कस्टमर जर्नी के रूप में देख रही है। एअर इंडिया ने यात्रियों के अनुभव से जुड़े 28 से अधिक टचप्वाइंट्स चिन्हित किए हैं, जिनमें यात्रा की योजना बनाने से लेकर टिकट बुकिंग, एयरपोर्ट पहुंचना, चेक-इन, सुरक्षा जांच, लाउंज, बोर्डिंग, इन-फ्लाइट सेवाएं, बैग्रेज, कनेक्टिंग फ्लाइट्स और यात्रा के बाद फीडबैक तक हर चरण शामिल है। एअर इंडिया के मुख्य ग्राहक अनुभव अधिकारी राजेश डोगरा का कहना है कि कंपनी यात्रियों की सहूलियत के लिए कई ऐतिहासिक कदम उठा रही है। एयरलाइन का मानना ​​है कि हर टचप्वाइंट यात्री के अनुभव को प्रभावित करता है। इसी वजह से एअर इंडिया अब उन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दे रही है जहां ग्राहक अनुभव का सबसे अधिक प्रभाव पड़ता है, जैसे कि डिजिटल सेवाएं, ग्राउंड हैंडलिंग, इन-फ्लाइट एम्बियंस, भोजन एवं पेय सेवाएं, मनोरंजन और क्रू सर्विस।

केबिन और ग्राउंड आपरेशंस में बड़े सुधार: यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एअर इंडिया अपने पुराने विमानों के केबिन को पूरी तरह रीट्रोफिट कर रही है। इन विमानों में नई और अधिक आरामदायक सीटें, अत्याधुनिक इन-फ्लाइट एंटरटेनमेंट सिस्टम और बेहतर लोअरूम जैसी सुविधाएं जोड़ी जा रही हैं। एअर इंडिया ने अपने ग्राहक सेवा नेटवर्क को भी मजबूत किया है।

पश्चिम एशिया संघर्ष: अमेरिकी वित्त मंत्री का दावा- आर्थिक नाकेबंदी से बेदम ईरान अब परमाणु डील के लिए मजबूर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच महीनों से जारी भारी तनाव के बाद आखिरकार एक बड़ी कूटनीतिक कामयाबी मिलती दिख रही है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने एलान किया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सैन्य कार्रवाई और आर्थिक प्रतिबंधों की रणनीति रंग लाई है। इसी भारी दबाव की वजह से ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत करने के लिए टेबल पर आने को मजबूर हुआ है। बेसेंट ने कहा कि यह सफलता आज तक कोई दूसरा अमेरिकी प्रशासन हासिल नहीं कर पाया था। अब ईरान को अपना परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से छोड़ना होगा। स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ईरान के साथ कोई भी समझौता पूरी तरह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इच्छा पर निर्भर करता है। ट्रंप अमेरिकी जनता के हितों से कोई समझौता नहीं करेंगे। इस समझौते के लिए अमेरिका ने ईरान के सामने बेहद सख्त शर्तें रखी हैं:- ईरान को गारंटी देनी होगी कि वह कभी भी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। सामरिक रूप से महत्वपूर्ण जलमार्ग होर्मुज से जहाजों की आवाजाही को पूरी तरह मुक्त करना होगा। जब तक ट्रंपेट ऑफ होर्मुज पूरी तरह नहीं खुलता और ईरान यूरेनियम सोंपने पर राजे नहीं होता, तब तक कोई भी डील फाइनल नहीं होगी। ईरान की ओर से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद किए जाने से वैश्विक तेल सप्लाई टय हो गई थी। फिलहाल करीब 2,000 व्यापारिक जहाज खाड़ी से बाहर निकलने का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, बातचीत शुरू होने से मई में कच्चे तेल की कीमतें 10 फीसदी तक गिर चुकी हैं और संकट टलते ही दाम और तेजी से नीचे आएंगे। एक्सपर्ट्स की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों देशों के वार्ताकारों ने 60 दिनों के अस्थायी समझौता ज्ञापन का मसौदा तैयार कर लिया है। इसका उद्देश्य मौजूदा नाजुक स्थिति को आगे बढ़ाना है। मंगलवार तक सभी शर्तें तय हो चुकी हैं, बस दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व की मंजूरी बाकी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने अंतिम मसौदे की समीक्षा के लिए कुछ दिनों का समय मांगा है।

जनगणना के लिए तैयार है सीधी’ अभियान बना जनभागीदारी का उदाहरण, मकान सूचिकरण एवं गणना कार्य समय से पहले पूर्ण

व्यापक जनजागरूकता और नवाचारों से जनगणना 2027 के प्रथम चरण में सीधी ने दर्ज की उल्लेखनीय उपलब्धि

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत जिले में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य निर्धारित समय सीमा से पूर्व सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है जनगणना कार्य को जनअंदोलन का स्वरूप देने के लिए जिला प्रशासन द्वारा चलाए गए जनगणना के लिए तैयार है सीधी अभियान को व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हुआ, जिसके परिणामस्वरूप जनगणना के प्रति लोगों में अभूतपूर्व जागरूकता और सहभागिता देखने को मिली मीडिया ब्रीफिंग के दौरान नोडल अधिकारी संयुक्त कलेक्टर राजेश शुक्ला ने बताया कि भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जनगणना 2027 का आयोजन दो चरणों में किया जा रहा है। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण



एवं मकानों की गणना का कार्य 1 मई से 30 मई 2026 तक निर्धारित था जबकि जिले में यह कार्य 20 मई को ही पूर्ण कर लिया गया। जनगणना का दूसरा चरण फरवरी 2027 में व्यक्तियों की गणना के रूप में संपादित किया जाएगा उन्होंने बताया कि जिले में 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक स्व-गणना अभियान भी चलाया गया, जिसमें 1328 नागरिकों ने स्वयं अपनी गणना दर्ज कराई। इस अभियान में सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने भाग लेकर आमजन को स्व-गणना के लिए प्रेरित कियाजिले में जनगणना कार्य के लिए कुल 12 चार्ज बनाए गए थे, जिनमें 8 ग्रामीण एवं 4 शहरी क्षेत्र शामिल हैं। प्रथम चरण को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन ने जनजागरूकता के अनेक अभिनव प्रयास किए। शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जनगणना के लिए तैयार है सीधी अभियान के पोस्टर प्रमुख स्थानों, शासकीय भवनों और चौगहों पर लगाए गए। जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और विभिन्न वर्गों को जोड़ते हुए जनगणना के महत्व का व्यापक

प्रचार-प्रसार किया गया अभियान के दौरान सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को जनगणना संदेश वाले बैड और बैज पहनाकर जनजागरूकता का संदेश दिया गया प्रमुख जनगणना अधिकारी द्वारा जिले के सभी चार्ज क्षेत्रों में पहुंचकर जनगणना शपथ दिलाई गई तथा लोगों को जनगणना में सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया विशेष पहल के तहत वरिष्ठ नागरिकों ट्रांसजेंडर समुदाय समाजसेवियों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के घर पहुंचकर गणना कराई गई गैस सिलेंडरों पर स्टिकर लगाकर, एलईडी बैन के माध्यम से ऑटो एवं ई-रिक्षा पर पोस्टर और वीडियो प्रदर्शित कर जनगणना का संदेश आमजन तक पहुंचाया गया स्कूलों में रोली छत्र-छात्राओं की सहभागिता, स्काउट-गाइड गतिविधियों तथा सामूहिक विवाह समारोह जैसे आयोजनों के माध्यम से भी जनगणना को जन-अभियान का स्वरूप दिया गया नोडल अधिकारी राजेश शुक्ला ने जनगणना कार्य के सफल क्रियान्वयन में सहयोग देने वाले सभी विभागों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों गणनाकारों एवं मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया की सकारात्मक भूमिका से जनगणना का संदेश समाज के हर वर्ग तक प्रभावी ढंग से पहुंचा है उन्होंने नागरिकों से अपील की कि आगामी चरण में भी जनगणना कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान करें, ताकि जिले को सही एवं अद्यतन जानकारी राष्ट्रीय विकास की योजनाओं के निर्माण में उपयोगी सिद्ध हो सके पेयजल समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए कंट्रोल रूम स्थापित है।

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को उनके गांव के समीप ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा स्वास्थ्य समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से 30 मई 2026 को विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन किया जाएगा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी द्वारा शिविरों के सफल संचालन हेतु आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 30 मई को शाम 4 बजे से 7 बजे तक जिले की विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों की चयनित ग्राम पंचायतों में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। इनमें धौहनी विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत नौढ़िया (मझौली), सीधी विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत छुहिया, चुहट विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत चकडौर तथा सिहावल विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत बहरी शामिल हैं इन विशेष स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से ग्रामीण नागरिकों को स्वास्थ्य परीक्षण

चिकित्सकीय परामर्श आवश्यक उपचार संबंधी मार्गदर्शन तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी एवं लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध करवा जाएगा शिविरों में स्वास्थ्य विभाग महिला एवं बाल विकास विभाग सामाजिक न्याय विभाग तथा आयुष विभाग की संयुक्त भागीदारी रहेगी जिससे ग्रामीणों को समेकित एवं प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें शिविरों के सुचारु संचालन के लिए संबंधित क्षेत्रों के सीडीपीओ एवं बीएमओ को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। निर्देशानुसार शिविर ग्राम पंचायत भवन, सामुदायिक भवन अथवा अन्य उपलब्ध शासकीय परिसरों में आयोजित होंगे जिला प्रशासन द्वारा शिविरों के व्यापक प्रचार-प्रसार के निदेश भी दिए गए हैं। ग्राम पंचायतों में मुनादी कागजर आमजन को शिविरों की जानकारी दी जाएगी तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी कार्यक्रम से अवगत कराया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीणजन इन शिविरों तक पहुंचकर लाभ प्राप्त कर सकें।

रीवा लोकायुक्त ने पकड़ा, इंक्रीमेंट-वेतन बढ़ोतरी के लिए मांगे थे 7 हजार रुपए आदिम जाति विभाग का बाबू रिश्वत लेते गिरफ्तार

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के बंदन स्थित सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग में पदस्थ एक बाबू को रीवा लोकायुक्त टीम ने रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया यह कार्रवाई शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे की गई आरोपी बाबू मुनालाल वर्मा पर एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी से इंक्रीमेंट और वेतन वृद्धि की प्रक्रिया पूरी करने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप था।



शिकायत के बाद तैयार हुआ ट्रैप: देवसर परियोजना कार्यालय में पदस्थ कर्मचारी श्रवण कुमार तिवारी ने 25 मई को रीवा लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि बाबू ने काम कराने के लिए 7 हजार रुपये की मांग की है। शिकायत की जांच के बाद लोकायुक्त टीम ने ट्रैप कार्रवाई की योजना बनाई।

5 हजार रुपए रिश्वत लेते पकड़ाया: योजना के तहत

शुक्रवार को शिकायतकर्ता ने आरोपी को पहली किस्त के रूप में 5 हजार रुपये दिए। जैसे ही बाबू ने यह राशि ली पहले से मौजूद लोकायुक्त टीम ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया

लोकसंस्कृति और प्रतिभा का संगम बना सांदीपनि कन्या विद्यालय का समर कैम्प

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। शासकीय सांदीपनि कन्या विद्यालय सीधी में आयोजित 20 दिवसीय समर कैम्प का समापन रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा के प्रदर्शन के साथ उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। समापन समारोह में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी, जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र सीधी विनय मिश्रा तथा बीआरसीसी डॉ. राजेश पाण्डेय उपस्थित रहे समारोह में



में आयोजित इस शिविर में छात्राओं को कला, संस्कृति, व्यक्तित्व विकास और अभिव्यक्ति कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। समापन समारोह में छात्राओं ने अपने सीखे हुए कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन कर सभी की सराहना प्राप्त की प्राचार्य आरती पाण्डेय ने कहा कि ऐसे शिविर बच्चों के आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, रचनात्मक सोच और सर्वांगीण विकास को नई दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की समर कैम्प में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षकों, शिक्षकों एवं छात्राओं के योगदान की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया गया।

उजियार से रोशन होंगे बैगा अंचल के सपने पोड़ी से शुरू हुई विशेष साक्षरता पहल शिक्षा, आत्मनिर्भरता और जागरूकता के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन का लक्ष्य

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। दूरस्थ आदिवासी अंचलों में शिक्षा की नई रोशनी पहुंचाने और समाज के अंतिम व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के संकल्प के साथ जनपद पंचायत कुसमी एवं सर्व शिक्षा अभियान के संयुक्त प्रयास से विशेष साक्षरता अभियान उजियार का शुभारंभ ग्राम पोड़ी में विधायक कुंवर सिंह ठेकम द्वारा किया गया। यह पहल विशेष रूप से बैगा जनजाति एवं अन्य वंचित समुदायों के जीवन में ज्ञान, जागरूकता और आत्मनिर्भरता का प्रवेश पੈठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक कुंवर सिंह ठेकम ने कहा कि शिक्षा केवल अक्षर ज्ञान नहीं बल्कि सम्मान आत्मविश्वास और बेहतर भविष्य की कुंजी है उन्होंने कहा कि उजियार अभियान के माध्यम से उन बसाहटों तक शिक्षा



पहुंवाई जाएगी, जहां आज भी अनेक लोग पढ़ने-लिखने जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं विशेष साक्षरता कक्षाओं के माध्यम से लोगों को पढ़ना लिखना सामान्य गणना करना बैंकिंग सेवाओं का उपयोग करना अपनी जमीन एवं अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों को समझना तथा शासन की योजनाओं का लाभ लेने योग्य बनाया जाएगा उन्होंने कहा

कि सक्षर समाज के प्रत्येक व्यक्ति के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और कोई भी व्यक्ति केवल जानकारी या संसाधनों के अभाव में पीछे न रह जाए इसके लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे शिक्षा को अपने परिवार और समाज के विकास का सबसे बड़ा माध्यम मानते हुए इस अभियान से जुड़े विधायक ठेकम ने शिक्षा के

डिजिटल ग्राम पंचायत की ओर बढ़ता सीधी, अब घर बैठे जमा कर सकेंगे पंचायत कर

जिला पंचायत की पहल से कर भुगतान प्रक्रिया होगी आसान, पारदर्शी और पूर्णतः ऑनलाइन

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। ग्राम पंचायतों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने और कर वसूली प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सरल एवं प्रभावी बनाने की दिशा में जिला पंचायत सीधी ने महत्वपूर्ण पहल की है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी के निर्देशन में जिले की ग्राम पंचायतों में ऑनलाइन कर भुगतान व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है। इस व्यवस्था के लागू होने से अब ग्रामीण नागरिक घर बैठे ही सुरक्षित और सुविधाजनक तरीके से ग्राम पंचायत कर का ऑनलाइन भुगतान कर सकेंगे इस पहल के अंतर्गत सभी ग्राम पंचायत सचिवों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने पंचायत क्षेत्रों में बैनर, पोस्टर एवं व्यापक जनजागरूकता अभियान के माध्यम से नागरिकों को ऑनलाइन कर



भुगतान सुविधा की जानकारी दें, ताकि अधिक से अधिक लोग डिजिटल सेवाओं का लाभ उठा सकें मध्यप्रदेश पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित पोर्टल के माध्यम से नागरिक संपत्ति कर, जल कर स्वच्छता कर एवं प्रकाश कर का ऑनलाइन भुगतान आसानी से कर सकते हैं भुगतान पूर्ण होने पर नागरिकों को डिजिटल रसीद भी प्राप्त होगी, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, सुरक्षित

एवं विश्वसनीय बनेगी स्व-राजस्व बढ़ेगा तो विकास कार्यों को मिलेगी नई गति: ऑनलाइन कर भुगतान व्यवस्था से ग्राम पंचायतों की राजस्व वसूली में वृद्धि होगी तथा सभी अभिलेख डिजिटल रूप में सुरक्षित रहेंगे। इससे पंचायतों की वित्तीय व्यवस्था अधिक मजबूत होगी और विकास कार्यों की योजना बनाने में भी सुविधा मिलेगी। पंचायतों की स्व-राजस्व क्षमता बढ़ने से सड़क, पेयजल, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास कार्यों को गति मिलेगी डिजिटल भुगतान व्यवस्था से नागद लेनदेन में कमी आएगी, जिससे वित्तीय पारदर्शिता बढ़ेगी और अनियमितताओं की संभावनाएं भी कम होंगी। साथ ही ऑनलाइन डाटा उपलब्ध रहने से पंचायतों को बेहतर वित्तीय प्रबंधन एवं बजट नियोजन में सहायता प्राप्त होगी।

युवा संगम में उमड़ा युवाओं का उत्साह, 663 युवाओं का प्राथमिक चयन

रोजगार के साथ स्वरोजगार पर भी विशेष जोर, एक मंच पर मिले अवसर और मार्गदर्शन कौशल और आत्मविश्वास से युवा लिखेंगे सफलता की नई इबारत - विधायक

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिले के युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार साक्षात्कार एवं कौशल मूल्योंकन के बाद 663 युवाओं का प्राथमिक स्तर पर चयन किया गया। कार्यक्रम के दौरान चयनित युवाओं को ऑफर लेटर प्रदान किए गए, जिससे उनके चेहरे पर आत्मविश्वास और भविष्य की नई उम्मीदें झलक उठीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक कुंवर सिंह ठेकम ने कहा कि युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा ही देश एवं प्रदेश के विकास की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि संख्या में युवक-युवतियां शामिल हुए मेले में कुल 702 युवाओं ने पंजीयन कराया, जिनमें से विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा साक्षात्कार एवं कौशल मूल्योंकन के बाद 663 युवाओं का प्राथमिक स्तर पर चयन किया गया। कार्यक्रम के दौरान चयनित युवाओं को ऑफर लेटर प्रदान किए गए, जिससे उनके चेहरे पर आत्मविश्वास और भविष्य की नई उम्मीदें झलक उठीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक कुंवर सिंह ठेकम ने कहा कि युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा ही देश एवं प्रदेश के विकास की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि संख्या में युवक-युवतियां शामिल हुए मेले में कुल 702 युवाओं ने पंजीयन कराया, जो स्वयं रोजगार प्राप्त करने के साथ-साथ दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित कर सकें उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे शासन की विभिन्न योजनाओं प्रशिक्षण कार्यक्रमों स्टार्टअप एवं स्वरोजगार योजनाओं का लाभ उठाकर अपने सपनों को साकार करें विधायक ने कहा कि ऐसे रोजगार मेले युवाओं और उद्योग जगत के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य करते हैं। एक ही मंच पर विभिन्न कंपनियों से सीधे संवाद और चयन की सुविधा मिलने से युवाओं को बेहतर अवसर प्राप्त होते हैं। उन्होंने जिले के युवाओं की प्रतिभा और क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि उचित मार्गदर्शन एवं अवसर मिलने पर सीधी जिले के युवा



किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं मेले में रोजगार के साथ-साथ स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी और मार्गदर्शन पर भी विशेष फोकस किया गया। विभिन्न विभागों द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी देकर युवाओं को उद्यमिता की ओर प्रेरित किया गया, ताकि वे रोजगार तलाशने के साथ-साथ रोजगार सृजनकर्ता बनने की दिशा में भी आगे बढ़ सकें जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला रोजगार कार्यालय आईटीआई सीधी, जिला व्यापार एवं उद्योग प्रशिक्षण कार्यक्रमों स्टार्टअप एवं स्वरोजगार योजनाओं का लाभ उठाकर अपने सपनों को साकार करें विधायक ने कहा कि ऐसे रोजगार मेले युवाओं और उद्योग जगत के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य करते हैं। एक ही मंच पर विभिन्न कंपनियों से सीधे संवाद और चयन की सुविधा मिलने से युवाओं को बेहतर अवसर प्राप्त होते हैं। उन्होंने जिले के युवाओं की प्रतिभा और क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि उचित मार्गदर्शन एवं अवसर मिलने पर सीधी जिले के युवा

आवेदकों से मनमानी शुल्क वसूली की शिकायतों पर प्रशासन सख्त, बैठने एवं पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। आमजन को पारदर्शी एवं गुणम सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उपखंड अधिकारी रामपुर नैकिन विकास आनंद द्वारा तहसील कार्यालय परिसर के बाहर संचालित दुकानों एवं सेवा प्रदाताओं का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान दुकानों द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं एवं उनसे लिए जा रहे शुल्क की जानकारी ली गई निरीक्षण के दौरान दुकानदारों एवं सेवा प्रदाताओं को स्पष्ट रूप से रेट लिस्ट प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए, ताकि नागरिकों को सेवाओं के निर्धारित शुल्क की जानकारी आसानी से मिल सके और अनावश्यक वसूली पर रोक लगाई जा सके उपखंड अधिकारी ने रजिस्ट्री लेखकों एवं अन्य सेवा प्रदाताओं के लाइसेंसों की भी जांच की तथा सभी को अपने प्रतिष्ठानों में रेट लिस्ट अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान यह तथ्य सामने आया कि



एक पृष्ठ के साधारण आवेदन लिखने के लिए भी कुछ स्थानों पर आवेदकों से अत्यधिक शुल्क लिया जा रहा है जिसकी शिकायतें लगातार प्राप्त हो रही थीं इस पर प्रशासन ने नागरिकों व्यक्त करते हुए निर्धारित एवं उचित शुल्क ही लेने की हिदायत दी जांच में कुछ दुकानों के पास नगर परिषद की अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) नहीं पाई गई। ऐसे संचालकों को आवश्यक अनुमति प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। साथ ही दुकानदारों को यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया कि उनके यहां आने वाले आवेदकों के लिए बैठने एवं पेयजल की सुगुचित व्यवस्था उपलब्ध रहे उपखंड अधिकारी विकास आनंद ने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता नागरिकों को पारदर्शी, सुलभ और समानजनक सेवाएं उपलब्ध कराना है। आमजन से किसी भी प्रकार की अनुचित वसूली अथवा असुविधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कर्नाटक में परिवर्तन

संपादकीय

त्यागपत्र देने को तैयार हुए सिहरमैया ने यह तो माना कि आलाकमान ने जैसा कहा, वैसा किया, पर वे राज्यसभा आने को तैयार नहीं।

आखिरकार कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिहरमैया ने त्यागपत्र दे दिया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के उनकी जगह आसीन होने का रास्ता साफ हो गया। कर्नाटक में नेतुत्व परिवर्तन की चर्चा लंबे समय से हो रही थी और इसे लेकर खींचतान भी जारी थी, लेकिन कुछ तय नहीं हो पा रहा था। शिवकुमार का दावा था कि

2023 में सरकार गठन के समय सिहरमैया और उनके बीच ढाई-ढाई वर्ष तक सत्ता संभालने की सहमति बनी थी, पर कांग्रेस नेतुत्व ने इसकी पुष्टि नहीं की।

अब तीन वर्ष बाद नेतृत्व परिवर्तन होना यह बताता है कि वास्तव में दोनों नेताओं में बारी-बारी से मुख्यमंत्री बनने का समझौता हुआ था और उससे कांग्रेस आलाकमान भी अवगत था। यदि ऐसा था तो फिर छह माह की देरी क्यों हुई? यह प्रश्न कांग्रेस नेतुत्व और विशेष रूप से राहुल

गांधी की विफलता को दर्शाता है।

इसलिए और भी, क्योंकि कहा जा रहा है कि नेतृत्व परिवर्तन तब

सुनिश्चित हो पाया, जब प्रियंका गांधी ने हस्तक्षेप किया। यदि यह सच है तो यह पुराना सवाल फिर से उठेगा कि आखिर राहुल गांधी समय पर फैसला क्यों नहीं ले पाते? ध्यान रहे कि कांग्रेस अध्यक्ष भले ही मल्लिकार्जुन खरगे हों, लेकिन

पार्टी के बड़े फैसले राहुल गांधी ही लेते हैं।

त्यागपत्र देने को तैयार हुए सिहरमैया ने

यह तो माना कि आलाकमान ने जैसा कहा, वैसा किया, पर वे राज्यसभा आने को तैयार नहीं। एक तरह से उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व को यह संदेश दिया कि वे संतुष्ट नहीं हैं और अपने हिसाब से राज्य की ही राजनीति करेंगे। हालांकि उनके त्यागपत्र

देने पर शिवकुमार ने पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया, लेकिन यह कहना बहुत कठिन है कि दोनों के रिश्ते सामान्य बने रहेंगे और कर्नाटक कांग्रेस में गुटबाजी को बढ़ावा नहीं मिलेगा। इसकी अनदेखी न की जाए कि इसके पहले बारी-बारी से नेतृत्व करने को लेकर राजस्थान और छत्तीसगढ़ में इसी तरह की खींचतान हुई थी। राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच ढाई-ढाई साल तक सत्ता संभालने को लेकर तनातनी जारी रही तो

छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल और टीएस सिंह देव के बीच। कांग्रेस नेतृत्व न तो इन दोनों राज्यों में अपने नेताओं के झगड़े को सुलझा पाया और न ही यह साफ कर पाया कि उनमें ढाई-ढाई साल तक मुख्यमंत्री रहने का समझौता हुआ था या नहीं? पंजाब में उसने नवजोत सिंह सिद्धू को संतुष्ट करने के लिए मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह को पद छोड़ने के लिए बाध्य किया तो इसके नतीजे में वहां ऐसी गुटबाजी पनपी कि पार्टी को बुरी पराजय का सामना करना पड़ा।

सवालों से बचती सत्ता और

घुटनों पर बैठा मीडिया

दिलीप कुमार पाठक

(30 मई हिन्दी पत्रकारिता दिवस)

30 मई को भारत में हर साल हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है। यह दिन हमारे देश में हिंदी भाषा में पहला अखबार शुरू होने की याद में मनाया जाता है। पंडित जगल किशोर शुक्ल ने साल 1826 में इसे कोलकाता से शुरू किया था। उस दौर में पत्रकारिता का एक ही मकसद था, देश को आजाद कराना और समाज को जगाना। लेकिन आज जब हम इस दिन को मनाते हैं, तो खुशी से ज्यादा हमारे मन में एक चिंता होती है। आज की पत्रकारिता उस ऊंचे रास्ते से बहुत दूर आ चुकी है। आज हमारा मीडिया और पत्रकारिता का स्तर लगातार नीचे गिरता जा रहा है। पत्रकारिता को कभी लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता था, जिसका काम जनता की आवाज को सरकार तक पहुंचाना और सरकार की कमियों को सामने लाना था। लेकिन आज ऐसा लगता है कि यह स्तंभ कमजोर हो चुका है। अखबारों और टीवी चैनलों पर अब जनता के असली मुद्दे, जैसे गरीबी, बेरोजगारी, अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य गायब हो चुके हैं। इसकी जगह दिन-रात धर्म के नाम पर विवाद, राजनीतिक दलों की आपसी लड़ाई और गैर-जरूरी सनसनीखेज खबरें दिखाई जाती हैं। ज्यादा से ज्यादा लोगों को अपनी तरफ खींचने की इस अंधी दौड़ ने खबरों को सिर्फ एक तमाशा बना दिया है। भारतीय पत्रकारिता की यह गिरती हुई साख अब सिर्फ देश के भीतर ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में धूमिल हो रही है। दुनिया भर में प्रेस की आजादी को नापने वाली सूची में भारत लगातार नीचे गिरकर 157वें स्थान पर पहुंच गया है। यह इस बात का साफ सबूत है कि हमारे देश में निष्पक्ष पत्रकारों के लिए काम करना कितना मुश्किल हो गया है। सरकार की कमियों पर सवाल उठाने वाले पत्रकारों को डराया-धमकाया जाता है, उन पर झूठे मुकदमे दर्ज किए जाते हैं या उन्हें नैकरी से निकाल दिया जाता है।

हाल ही में नॉर्वे दौर पर हुई एक घटना ने वैश्विक स्तर पर भारतीय मीडिया की इस स्थिति को पूरी दुनिया के सामने ला दिया। ओस्लो में एक साझा प्रेस वार्ता के बाद, जब प्रधानमंत्री रेंरेड मोदी पोलियम से हटने लगे, तो नॉर्वे की एक महिला पत्रकार हेला लेंग ने उनसे एक सीधा और सरल सवाल पूछा कि, पीएम मोदी आप दुनिया की सबसे आजाद प्रेस के पत्रकारों के सवालों के जवाब क्यों नहीं देते? प्रधानमंत्री इस सवाल का बिना कोई जवाब दिए वहां से आगे बढ़ गए, इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर पूरी दुनिया में फैल गया और इसने वैश्विक मंच पर भारतीय लोकतंत्र की छवि को बड़ा नुकसान पहुंचा।

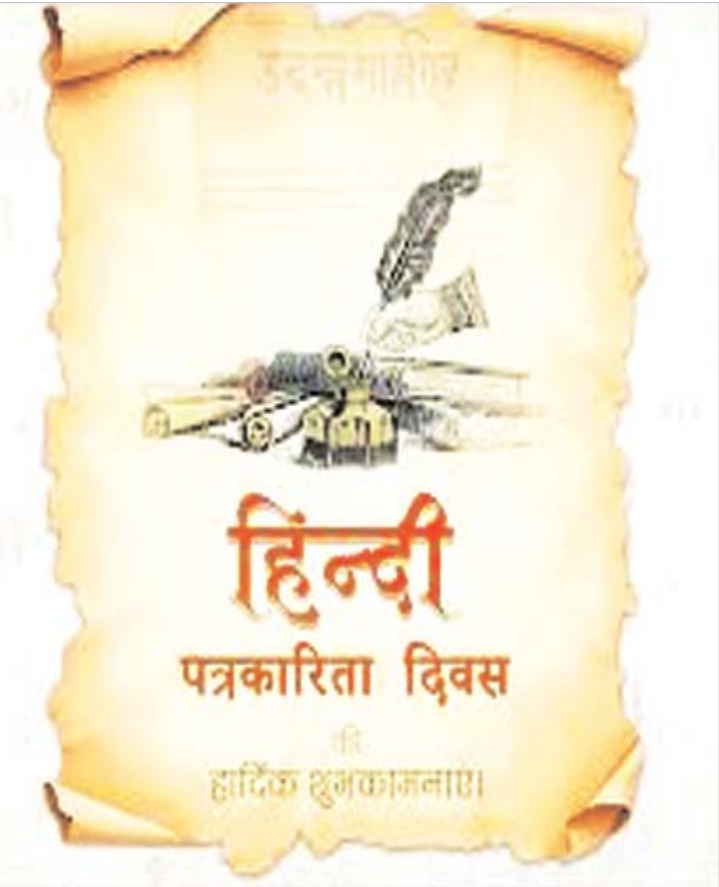
यह घटना एक और बड़े कड़वे सच को सामने लाती है। पिछले 12 सालों के अपने कार्यकाल में पीएम मोदी ने भारत में एक भी पारंपरिक और स्वतंत्र प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की, जब देश का मुखिया ही खुलकर पत्रकारों के तीखे और सीधे सवालों का सामना करने से बचता है, तो नीचे की पूरी व्यवस्था में जवाबदेही खत्म होने लगती है। जब सत्ता मीडिया के सामने जवाबदेह नहीं होगी, तो मीडिया भी धीरे-धीरे जनता के मुँदे छोड़ सिर्फ सत्ता की तारीफ करने का जरिया बन जाता है।आज सोशल मीडिया और इंटरनेट के आने से आम लोगों को अपनी बात रखने का मौका तो मिला है, लेकिन वहां भी झुठी खबरें और नफरत का बाजार गर्म है। चंद रुपयों के लिए इंटरनेट पर झूठ फैलाया जाता है, जिससे समाज में आपसी भावनाका खत्म होता है। असली और गंभीर पत्रकारिता इस शोर में कहीं दबकर रह गई है। पत्रकारिता का जो काम समाज को जोड़ने का था, वह आज समाज को बांटने का जरिया बनता जा रहा है। इस गिरते दौर में हिंदी पत्रकारिता दिवस सिर्फ एक लोहार की तरह मनाकर भूल जाने का दिन नहीं है। यह दिन गहराई से सोचने का है। आज मीडिया मालिकों, संपादकों और खुद पत्रकारों को यह सोचना होगा कि वे समाज को किस दिशा में ले जा रहे हैं। क्या वे सिर्फ नेताओं और सरकारों की हां में हां मिलाना चाहते हैं या फिर से जनता की आवाज बनना चाहते हैं? एक नागरिक के तौर पर हमारी भी जिम्मेदारी है कि हम अधर्भावित और नफरत पोसने वाले चैनलों को देखना बंद करें। हमें उन गिने-चुने स्वतंत्र पत्रकारों का साथ देना चाहिए जो खुद को जोरिखम में डालकर आज भी सच लिख रहे हैं।

विनोद कुमार सिंह ‘तकियावाला’

हिन्दी पत्रकारिता दिवस केवल एक तिथि नहीं,बल्कि उस ऐतिहासिक यात्रा का स्मरण है जिसमें कलम ने सत्ता से प्रश्न पूछे,समाज को दिशा दी और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।30 मई 1826 का वह ऐतिहासिक दिन भारतीय पत्रकारिता के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है,जब पंडित युगल किशोर शुक्ल ने कोलकाता से हिन्दी के प्रथम समाचार पत्र ‘उदन्त मार्तण्ड’ का प्रकाशन प्रारंभ किया। उस समय अंग्रेजी शासन का दौर था।संसाधनों का अभाव, आर्थिक कठिनाइयाँ और हिन्दी भाषियों तक समाचार पहुंचाने की सीमित व्यवस्था जैसी अनेक बाधाएं थीं,लेकिन राष्ट्रभाषा के प्रति समर्पण इतना प्रबल था कि विपरीत परिस्थितियों में भी हिन्दी पत्रकारिता का दीप प्रज्वलित हुआ। यही दीप आगे चलकर जनचेतना की मशाल बन गया।

हिन्दी पत्रकारिता की प्रारंभिक यात्रा संघर्षों से भरी रही।आर्थिक संकट,सरकारी उपेक्षा और तकनीकी अभाव के बावजूद हिन्दी समाचार पत्रों ने समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। ‘बनारस अखबार’ , ‘हिन्दी प्रदीप’ , ‘कवि वचन सुधा’ , ‘भारत मित्र’ , ‘सरस्वती’ और ‘प्रताप’ जैसे पत्रों ने राष्ट्रीय चेतना को जागृत किया। उस समय पत्रकारिता व्यवसाय नहीं,बल्कि राष्ट्र सेवा का माध्यम थी।पत्रकार अपनी लेखनी के माध्यम से अंग्रेजी शासन के विरुद्ध आवाज उठाते थे और समाज में शिक्षा, स्वाभिमान तथा स्वतंत्रता की भावना का संचार करते थे।

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही।लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक,गणेश शंकर विद्यार्थी,बाबूराव विष्णु पराङकर, माखनलाल चतुर्वेदी और महात्मा गांधी जैसे महान पत्रकारों एवं विचारकों ने अपनी लेखनी को राष्ट्रहित के लिए समर्पित कर दिया। गणेश शंकर विद्यार्थी का ‘प्रताप’ केवल समाचार पत्र नहीं था,बल्कि अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की आवाज था।बाबूराव को विष्णु पराङकर ने हिन्दी पत्रकारिता को वैचारिक गंभीरता और सामाजिक उत्तरदायित्व प्रदान किया।महात्मा गाँधी ने



पत्रकारिता को जनसेवा का माध्यम माना और सत्य,नैतिकता तथा जनहित को पत्रकारिता का मूल आधार बनाया।उस दौर की पत्रकारिता मिशन की पत्रकारिता थी।पत्रकार सत्ता के गलियारों में नहीं,बल्कि जनता के बीच खड़े दिखाई देते थे।लेखनी जेल गई,अखबार बंद हुए,मुकदमे चले, लेकिन कलम झुकी नहीं। ‘सत्य लिखना यदि अपराध है,’ तो यह अपराध बार-बार होगा। ,

यह भावना उस समय की पत्रकारिता की पहचान थी।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हिन्दी पत्रकारिता ने राष्ट्र निर्माण में नई भूमिका निभाई।गॉंव,गरीब, किसान,मजदूर,श्रमिक और आम नागरिक की समस्याओं को प्रमुखता से उठवा गया।रेडियो, दूरदर्शन और बाद में उपग्रह चैनलों के आगमन ने पत्रकारिता के स्वरूप को व्यापक

बनाया।हिन्दी समाचार पत्रों का प्रसार गांवों तक पहुंचा और हिन्दी भाषा देश की सबसे प्रभावशाली मीडिया भाषा बनकर उभरी।हिन्दी पत्रकारिता की सबसे बड़ी शक्ति उसकी भाषा और जनसरोकार रहे हैं।हिन्दी ने उन लोगों की आवाज को शब्द दिए, जिनकी पीड़ा अक्सर सत्ता के गलियारों तक नहीं पहुंच पाती थी। यही कारण है कि हिन्दी पत्रकारिता जनमानस से जुड़ी पत्रकारिता बनी।

समय के साथ पत्रकारिता का स्वरूप तेजी से बदला। प्रिंट मीडिया से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और अब डिजिटल मीडिया के युग में सूचना की गति अभूतपूर्व हो गई है।आज मोबाइल पत्रकारिता, डिजिटल न्यूज पोर्टल,सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म,पॉडकास्ट, यूट्यूब चैनल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों ने समाचारों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। अब समाचार

केवल अखबार के पन्नों तक सीमित नहीं,बल्कि कुछ सेकेंड में देश-दुनिया तक पहुंच जाते हैं।करोड़ों लोग मोबाइल स्क्रीन पर हिन्दी समाचार पढ़ते, सुनते और देखते हैं।आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल लोकतंत्र बन रहा है और हिन्दी दुनिया की तेजी से बढ़ती भाषाओं में शामिल है।छोटे शहरों और गांवों से निकल रहे युवा डिजिटल पत्रकारिता में नई पहचान बना रहे हैं। इंटरनेट और तकनीक ने पत्रकारिता को महानगरों की सीमाओं से बाहर निकालकर गांवों तक पहुंचा दिया है।डिजिटल क्रांति के इस दौर में पत्रकारिता के सामने गंभीर चुनौतियां भी खड़ी हुई हैं।

आज पत्रकारिता का सबसे बड़ा संकट ‘विश्वसनीयता’ का है।फेक न्यूज,आधी-अधूरी सूचनाएं, टीआरपी को अंधी दौड़,सनसनी खेज प्रस्तुति और एजेंडा आधारित खबरों ने पत्रकारिता की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े किए हैं।कभी मिशन मानी जाने वाली पत्रकारिता का एक बड़ा हिस्सा आज बाजारवाद और कॉर्पोरेट दबावों के बीच संघर्ष करता दिखाई देता है। ‘पहले खबरों में तथ्य होते थे,अब तथ्यों में खबर खोजी जाती है। ‘यह कटु सत्य वर्तमान मीडिया परिवेश की गंभीर तस्वीर प्रस्तुत करता है।डिजिटल युग में सबसे बड़ी चुनौती यह भी है कि तेजी की प्रतिस्पर्धा में सत्य पीछे छूटता जा रहा है। ‘सबसे पहले’ दिखाने की हाड़ में ‘सबसे सही’ दिखाने का दायित्व कमजोर पड़ रहा है। सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अभिव्यक्ति का मंच तो दिया है, लेकिन बिना पुष्टि की सूचनाओं ने समाज में भ्रम और अविश्वास का वातावरण भी पैदा किया है।

पत्रकारिता यदि केवल शोर बनकर रह जाएगी,तो समाज का विश्वास टूटेगा।लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका प्रहरी की होती है,प्रचारक की नहीं।पत्रकारिता का उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं,बल्कि समाज को सही दिशा देना भी है।

इन चुनौतियों के बावजूद हिन्दी पत्रकारिता का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल दिखाई देता है। भविष्य में आने वाला समय ‘भाषाई पत्रकारिता’ का होगा। भारत की आत्मा भारतीय भाषाओं में बसती है और हिन्दी पत्रकारिता उसी आत्मा की सबसे बड़ी अभिव्यक्ति है।कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI),डेटा

पत्रकारिता और तकनीकी नवाचार समाचारों की प्रस्तुति को बदलेंगे, लेकिन पत्रकारिता की वास्तविक आत्मा वही रहेगी।पत्रकारिता का भविष्य तकनीक से नहीं,उसकी नीयत से तय होगा। मशीनें खबर लिख सकती हैं, लेकिन समाज की पीड़ा को महसूस करने का सामर्थ्य केवल संवेदनशील पत्रकार के पास होता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पत्रकारिता पुनः अपने मूल आदर्शों-सत्य,निष्पक्षता,जनहित और सामाजिक उत्तरदायित्व - को याद करे। ‘कलम बिकनी नहीं चाहिए,सत्य झुकना नहीं चाहिए। ‘ निष्पक्ष पत्रकारिता ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी सुरक्षा है। ‘हिन्दी पत्रकारिता की लगभग दो शताब्दियों की यह यात्रा केवल इतिहास नहीं,बल्कि भारत की सामाजिक चेतना का जीवंत दस्तावेज है।यह यात्रा संघर्ष की भी है,साहस की भी है और जनविश्वास की भी है।आज आवश्यकता ऐसे पत्रकारों की है जो सत्ता से प्रश्न पूछने का साहस रखें,समाज की आवाज बनें और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानें।लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति संसद से पहले समाज की जागरूक चेतना में बसती है और उस चेतना को जगाने का कार्य पत्रकारिता ही करती है।हिन्दी पत्रकारिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि कलम की ताकत किसी भी सत्ता से बड़ी होती है।यही वह शक्ति है जिसने स्वतंत्रता आंदोलन को जनांदोलन बनाया,लोकतंत्र को मजबूत किया और समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज को मंच प्रदान किया।

आज हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर उन सभी पत्रकारों,संपादकों, लेखकों,फोटोग्राफरों,कैमरामैनों और समाचार कर्मियों को विनम्र नमन,जिन्होंने अपनी लेखनी और कर्म से समाज को जागृत किया, लोकतंत्र को सशक्त बनाया और राष्ट्र की चेतना को जीवंत रखा।

‘स्याही से लिखी गई सच्चाई, इतिहास बदलने की ताकत रखती है। ‘हिन्दी पत्रकारिता केवल भाषा की पत्रकारिता नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की अभिव्यक्ति है।

(नोट - लेखक स्वतंत्र पत्रकार ,स्तम्भकार व मान्यता प्राप्त पत्रकार कल्याण समिति के उपाध्यक्ष हैं।)

लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है पत्रकारिता

पत्रकारिता समाचारों, विचारों और घटनाओं को एकत्र करके

उन्हें जनता तक पहुंचाने का माध्यम है, यह लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, जिसका उद्देश्य समाज को जागरूक, निष्पक्ष और सूचित रखना है इंसानी इतिहास में, पत्रकारिता ने अपनी अहम जगह और ऊँचे आदर्शों पर पक्के भरोंसे के ज़रिए हमेशा अपनी अलग पहचान बनाई है। भारत में, पत्रकारिता का इतिहास लगभग दो सौ साल पुराना है।

रांजय गोस्वामी

(हिन्दी पत्रकारिता दिवस 30 मई26 पर विशेष)

आज, पत्रकारिता शब्द हमारे लिए कोई नया कॉन्सेप्ट नहीं है। सुबह होते ही हमें अखबार की जरूरत महसूस होती है; इसके बाद, पूरे दिन हमें रेडियो, टेलीविजन, इंटरनेट और सोशल मीडिया जैसे अलग-अलग तरीकों से खबरें मिलती रहती हैं। इसके अलावा, रेडियो, टीवी और सोशल मीडिया सुबह से शाम तक हमारे साथ रहते हैं। इस लगातार जुड़ाव के पीछे एक खास इच्छा है—एक जिज्ञासा—नई और ताज़ा जानकारी पाने की। लोग पिछले कुछ घंटों में या पिछली रात से हुए बदलावों या सामने आई नई घटनाओं के बारे में जानकारी रखना चाहते हैं। इस बात का निचोड़ यह है कि हम अपने दोस्तों, पड़ोसियों, रिश्तेदारों और साथ काम करने वालों से अपने आस-पास हो रही घटनाओं के बारे में लगातार जानना चाहते हैं। अपने आस-पास की चीज़ों, घटनाओं और लोगों के बारे में अप-टू-डेट जानकारी पाना इंसान की एक जन्मजात आदत है; जिज्ञासा की भावना हमारे अंदर एक बहुत बड़ी ताकत है। यही जिज्ञासा न्यूज का बुनियादी हिस्सा है—और, बड़े पैमाने पर

कहें तो, खुद पत्रकारिता का भी। अगर यह जिज्ञासा खत्म हो जाए, तो न्यूज की जरूरत भी खत्म हो जाएगी। पत्रकारिता इसी अंदरूनी जिज्ञासा को पूरा करने की कोशिश के तौर पर शुरू हुआ—यह एक ऐसा मिशन है जिसे यह आज भी पूरा कर रहा है, और अपने बुनियादी उम्तों पर मजबूती से टिका हुआ है। इस जिज्ञासा के ज़रिए, हमें अपने आस-पड़ोस, शहर, राज्य और पूरी दुनिया के बारे में बहुत सारी जानकारी मिलती है। यह जानकारी न सिर्फ हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी पर बल्कि पूरे समाज पर असर डालती है। इसके अलावा, यह जानकारी हमारे अगले कदम को तय करने में हमारी मदद करने में भी अहम भूमिका निभाती है। यही वजह है कि आज के समाज में इन्फॉर्मेशन और मल्टीमीडिया के ज़रिए—चाहे वह अखबार हों, टेलीविजन, रेडियो, इंटरनेट, या सोशल मीडिया—दुनिया भर की खबरें सीधे हमारे घरों तक पहुँचती हैं। न्यूज ऑर्गनाइज़ेशन में काम करने वाले जर्नालिस्ट लोकल और ग्लोबल लेवल

पर होने वाली घटनाओं को न्यूज रिपोर्ट में बदलते हैं और हम तक पहुँचाते हैं। ऐसा करने के लिए, वे रोज़ाना जानकारी इकट्ठा करते हैं, उसे न्यूज फ़ॉर्मेट में ढालते हैं और लोगों के सामने पेश करते हैं। इस पूरे प्रोसेस को पत्रकारिता कहते हैं। कोई भी जानकारी जो किसी व्यक्ति, समाज, देश या पूरी दुनिया पर असर डालती है, वह न्यूज होती है। दूसरे शब्दों में, किसी खास घटना पर रिपोर्ट, रोज़ का रिकॉर्ड, डायरी, या डेबुक—असल में, रोज़ाना की एक्टिविटीज़ का डिटेल्ड अकाउंट वाला डॉक्यूमेंट। सिर्फ़ एंटरटेनमेंट के अलावा, ये मीडिया हमें बहुत सारी जानकारी से जान-पहचान कराते हैं। इसके अलावा, एडवरटाइज़िंग ने हमें कंज्यूमर कल्चर में अच्छे से जोड़ दिया है। कुल मिलाकर, पत्रकारिता के अलग-अलग मीडियम—जैसे अखबार, मैगज़ीन, रेडियो, टेलीविज़न, इंटरनेट और सोशल मीडिया—ने लोगों से लेकर गुप्त तक और देशों से लेकर पूरी दुनिया

तक, सबको एक साथ जोड़ दिया है। इसलिए, आज पत्रकारिता में नेशनल लेवल पर आईडिया, इकोनॉमिक्स, पॉलिटिक्स और यहाँ तक कि कल्चर को भी प्रभावित करने की काबिलियत है। अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी के बारे में सोचने के लिए थोड़ा समय निकालें। एक ही मोहल्ले में रहने वाले दो लोग रोज़ एक-दूसरे से मिल सकते हैं—शायद बाज़ार में, सड़क पर चलते हुए, या एक-दूसरे के घर पर। जब वे बातचीत करते हैं, तो आमतौर पर उनका पहला सवाल क्या होता है? उनका पहला सवाल हमेशा यही होता है: हालात कैसे हैं? या आप कैसे हैं? या क्या खबर है? हालाँकि ऐसे आम, रोज़मर्रा के सवालों में कुछ खास खास नहीं लग सकता है, लेकिन एक पल सोचने पर एक गहरा मतलब पता चलता है: आज, जर्नल शब्द मैगज़ीन, अखबार और डेली डेलीकी के लिए एक निशानी के तौर पर इस्तेमाल होने लगा है। 'पत्रकारिता'—यानी, *पत्रकारिता*—अखबारों और मैगज़ीन से जुड़े एक प्रोफ़ेशन को दिखाता है, जिसमें न्यूज इकट्ठा करना, लिखना, एडिट करना, दिखाना और बांटना शामिल है। आज के ज़माने में, पत्रकारिता कई मीडियम जैसे अखबार, मैगज़ीन, रेडियो, टेलीविज़न, वेब

पत्रकारिता, सोशल मीडिया और इंटरनेट का इस्तेमाल करने के लिए विकसित हुई है। हिंदी में पत्रकारिता का मतलब असल में यही है। इस कॉन्सेप्ट को *‘पत्र’* (लेटर/पेपर) से *‘पत्रकार’* (पत्रकार), और आखिर में *‘पत्रकारिता’* (पत्रकारिता) तक के विकास को देखकर समझा जा सकता है। *‘बृहत्’* हिंदी शब्दकोष* (कॉम्पिहेंसिव हिंदी) के अनुसार (हिंदी शब्दकोश), *‘पत्र’* का अर्थ है कोई चिट्ठी या कागज का पन्ना—विशेष रूप से, ऐसा कागज जिस पर कुछ लिखा या छपा गया हो; कोई कागज या धातु की प्लेट जिस पर किसी लेन-देन से जुड़ा कोई प्रामाणिक लेख (जैसे कि दान-पत्र या ताम्र-पत्र अनुदान) अंकित हो; कोई दस्तावेज़ी रिकॉर्ड जो किसी लेन-देन या घटना के प्रमाण के रूप में काम करे (जैसे कि पट्टा या कानूनी विलेख); या, अंत में, कोई वाहन, सवारी, या समाचार-पत्र। *‘पत्रकार’* का तात्पर्य किसी समाचार-पत्र के संपादक या लेखक से है। और *‘पत्रकारिता’* का अर्थ है किसी पत्रकार का काम या पेशा—वह विषय-क्षेत्र जो समाचारों के विश्लेषण, संवाद और संकलन से संबंधित है। *‘बृहत् शब्दकोष’* यह स्पष्ट करता है कि *‘पत्र’* का तात्पर्य

किसी भी ऐसे कागज या माध्यम से है—चाहे वह लिखित हो या मुद्रित—जो प्रामाणिक हो और किसी विशिष्ट घटना के संबंध में दस्तावेज़ी प्रमाण के रूप में कार्य करता हो। ‘पत्रकार’ उस व्यक्ति को कहते हैं जो ऐसे कागज या दस्तावेज को लिखता या संपादित करता है। और *‘पत्रकारिता’* उस अकादमिक विषय-क्षेत्र को कहते हैं जो इस क्षेत्र के अध्ययन और विश्लेषण के लिए समर्पित है। यह ध्यान देने योग्य बात है कि, इन सभी पारंपरिक माध्यमों में, सदृशों या सूचनाओं का प्रसार ऐतिहासिक रूप से एक-तरफ़ा प्रक्रिया रही है। इस सूचना को प्राप्त करने वालों से मिलने वाली प्रतिक्रिया (फीडबैक) लगभग न के बराबर रही है। दूसरे शब्दों में, इन विभिन्न माध्यमों में, संचारक या प्रसारक आम तौर पर सूचना प्राप्त करने वालों के साथ दो-तरफ़ा संवाद स्थापित करने में असमर्थ रहे हैं। संवाद का स्तर—पत्रों और इसी तरह के अन्य माध्यमों से प्राप्तकर्ताओं से मिलने वाली प्रतिक्रिया या जवाबों के रूप में—नगण्य रहा है। हालाँकि, हाल के वर्षों में, अत्याधुनिक जनसंचार तकनीकों के आगमन के साथ, दो-तरफ़ा संवाद बनाए रखने की प्रथा ने जड़ पकड़ना शुरू कर दिया है।

सेठानी घाट पर दो दिवसीय आम महोत्सव: 40 से अधिक किस्मों के आम होंगे आकर्षण का केंद्र

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। इस बार पचमढ़ी के बजाय जिला मुख्यालय नर्मदापुरम स्थित प्रसिद्ध सेठानी घाट पर दो दिवसीय आम महोत्सव का आयोजन किया जाएगा 30 और 31 मई को आयोजित होने वाले इस मैंगो फेस्टिवल में 40 से अधिक किस्मों के आमों की लगभग 150 स्टॉलों में प्रदर्शनी लगाई जाएगी इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य किसानों और आम प्रेमियों को आम की विभिन्न प्रजातियों, उनकी पैदावार विधियों और आम के पौधरोपण के महत्व से अवगत करना है। 30 मई को महोत्सव का औपचारिक शुभारंभ किया जाएगा। उद्घाटन समारोह में जिले के प्रशासनिक अधिकारी, उद्यानिकी विभाग के प्रतिनिधि, किसान और आम प्रेमी शामिल होंगे। महोत्सव के दौरान किसानों को आम उत्पादन की आधुनिक तकनीकों, उन्नत प्रजातियों और बेहतर पैदावार



के तरीकों की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा आम के पौधों को लगाने और उनके सही तरीके से पालन-पोषण के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा महोत्सव में आमों के विभिन्न रंग, रूप और आकार के प्रदर्शन से आम प्रेमियों को विशेष आनंद मिलेगा। प्रत्येक स्टॉल में आम की अलग-अलग किस्में और उनके विशेष गुण प्रदर्शित किए जाएंगे।

उद्यानिकी विभाग की उप संचालक रीता उईके ने बताया कि इस फेस्टिवल में रायल मिश्री, सुन्दरजा, मालदा, फजली, चौसा, स्वर्णरेखा, जरदालू, मल्लिका, पगारा से पयारी, सावनिया, बाम्बेग्रीन, कृष्ण भोग, मालगोवा, नीलम, दशहरी, बादाम, लंगड़ा सहित कई अन्य किस्मों के आमों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी विशेष रूप से पचमढ़ी, मटकुली और

माखनगर क्षेत्र के प्रसिद्ध बाम्बेग्रीन मालदा और मल्लिका आम अपने बड़े आकार, उत्कृष्ट स्वाद और सुगंध के कारण महोत्सव में आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे। फेस्टिवल का उद्देश्य न केवल आम की लोकप्रियता को बढ़ावा देना है बल्कि आम बागवानी और फल उत्पादन को प्रोत्साहित करना भी है महोत्सव में भाग लेने वाले किसानों और आम प्रेमियों को आमों की



खेती पैदावार और बिक्री से जुड़ी तकनीकी जानकारीयां भी दी जाएंगी। इसके अलावा प्रदर्शनी में आमों की तुलना उनके वजन, रंग और आकार के आधार पर की जाएगी, जिससे आगंतुकों को आमों की विविधता का अनुभव हो आयोजन समिति का कहना है कि आम महोत्सव न सिर्फ आम के प्रति लोगों की रुचि बढ़ाएगा बल्कि स्थानीय बागवानों को

बेहतर उत्पादन और आर्थिक लाभ प्राप्त करने में भी मदद करेगा सेठानी घाट पर आयोजित यह महोत्सव जिले के लिए पर्यटन और कृषि शिक्षा का भी अवसर प्रदान करेगा इस प्रकार, आम महोत्सव 30 और 31 मई को अपने रंग-बिरंगे स्टॉल और आकर्षक आमों के साथ आम प्रेमियों किसानों और पर्यटकों के लिए यादगार कार्यक्रम साबित होगा।

आईटीआई चिरमिरी में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। संचालनालय, रोजगार एवं प्रशिक्षण, नया रायपुर अटल नगर (छ.ग.) के अंतर्गत संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) चिरमिरी में शैक्षणिक सत्र 2026-27 एवं 2026-28 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। यह प्रक्रिया 29 मई 2026 से शुरू होकर 15 जून 2026 की रात 11:59 बजे तक चलेगी। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित समय सीमा के भीतर ही आवेदन कर सकते हैं आईटीआई चिरमिरी में व्यवसाय मैकेनिक डिजल, वेल्डर, विद्युतकार, कोपा और फिटर में प्रवेश के लिए आवेदन केवल आधिकारिक वेबसाइट <https://ncgiti.admissions.nic.in/> के माध्यम से ही स्वीकार किए



जाएंगे। किसी भी अन्य माध्यम से किए गए आवेदन अस्वीकार किए जाएंगे संचालनालय, रोजगार एवं प्रशिक्षण, नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.) ने यह पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन रखने का निर्णय लिया है ताकि आवेदन में पारदर्शिता और आसानी सुनिश्चित हो सके सभी अभ्यर्थियों से आग्रह है कि

आवेदन करने से पहले प्रवेश विवरणिका को ध्यानपूर्वक पढ़ें। विवरणिका में प्रवेश से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश, नियम, पात्रता मापदंड और शुल्क विवरण सहित अन्य महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध है किसी भी गलती से बचने के लिए आवेदन भरने से पहले सभी निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है आवेदन में

सहायता या प्रवेश संबंधी किसी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने के लिए अभ्यर्थी अपने नजदीकी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था से संपर्क कर सकते हैं अधिकारी और संस्थान के कर्मचारी आवेदन प्रक्रिया में मार्गदर्शन उपलब्ध कराएंगे संचालनालय ने स्पष्ट किया है कि आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है और आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए समय सीमा के बाद किसी भी आवेदन को स्वीकार नहीं किया जाएगा आईटीआई चिरमिरी में प्रवेश के लिए यह अवसर उन सभी युवाओं के लिए महत्वपूर्ण है जो तकनीकी शिक्षा में रुचि रखते हैं और अपने कोशल को विकसित कर रोजगार योग्य बनाना चाहते हैं।

पुलिस मुख्यालय परिवार ने 4 सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी भावभीनी विदाई, डीजीपी ने किया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर,भोपाल (निप्र)। पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं से मई माह में सेवानिवृत्त हुए चार कर्मचारियों को शुक्रवार को पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने भावभीनी विदाई दी इस अवसर पर उन्होंने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पौधे एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना की। साथ ही उनके विभिन्न स्वत्व (क्लेम) भुगतान के आदेश भी प्रदान किए गए। डीजीपी कैलाश मकवाणा ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस मुख्यालय से निरंतर अनुभवी एवं समर्पित अधिकारी-कर्मचारी सेवानिवृत्त हो रहे हैं जिनके साथ कार्य करने

का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग में कार्य केवल नौकरी नहीं बल्कि एक चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी है, जिसमें देर रात और अवकाश के दिनों में भी कर्तव्यों का निर्वहन करना पड़ता है उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को भी इसी ऊर्जा अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ कार्य करना होगा ताकि विभाग की गौरवशाली परंपरा बनी रहे नवीन पुलिस मुख्यालय भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित इस समारोह में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ए. साई मनोहर उप पुलिस महानिरीक्षक किण्णलता केरकट्टा सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन उपस्थित रहे।

खत्म हुई दूध विक्रेताओं की हड़ताल, अब 60 रुपए लीटर मिलेगा दूध; चार दिन बाद सामान्य होगी सप्लाई



मीडिया ऑडीटर,शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी शहर में पिछले चार दिनों से जारी दूध विक्रेताओं की हड़ताल शुक्रवार को समाप्त हो गई इसके साथ ही शनिवार से शहरवासियों को दूध 60 रुपए प्रति लीटर की दर से मिलेगा इससे पहले दूध 55 रुपए प्रति लीटर बेचा जा रहा था दूध विक्रेता पिछले कई दिनों से दूध के दाम में 5 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की मांग कर रहे थे। मांग पूरी नहीं होने पर उन्होंने हड़ताल शुरू कर दी थी। हड़ताल के चलते शहर में दूध की सप्लाई बुरी तरह प्रभावित हो गई थी दूध की किल्लत के कारण बड़ी संख्या में लोग अमूल और सांची जैसे पैकेटबंद दूध पर निर्भर हो गए थे।

हालांकि सीमित उपलब्धता के कारण लोगों को वहां भी परेशानी का सामना करना पड़ा। डेयरी संचालकों ने बताई लागत बढ़ने की वजह डेयरी संचालकों का कहना है कि गर्मी के मौसम में पशुओं के चारे और रखरखाव का खर्च बढ़ जाता है इसी वजह से दूध के दाम बढ़ाए गए हैं उन्होंने बताया कि नई दरें 1 जून से 15 जुलाई तक लागू रहेंगी डेयरी संचालकों के मुताबिक वर्षाकाल में हरे चारे की उपलब्धता बढ़ने के बाद दूध की कीमतों की समीक्षा की जा सकती है। ऐसे में 15 जुलाई के बाद दाम घटाने पर भी विचार संभव है वहीं दूध विक्रेताओं का कहना है कि लगातार बढ़ती लागत के चलते भविष्य में दूध के दाम कम होने की संभावना बेहद कम है हड़ताल खत्म होने के बाद अब शहर में दूध संकट समाप्त हो गया है शनिवार से दूध की आपूर्ति फिर सामान्य रूप से शुरू हो जाएगी।

नर्मदा किनारे तान दी 2 मंजिला अवैध बिल्डिंग: कलेक्टर के आने से चंद घंटे पहले जागा प्रशासन, पहली मंजिल तोड़ने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के विवेकानंद घाट पर नर्मदा नदी के बिल्कुल किनारे महज दो महीने के भीतर एक दो मंजिला बिल्डिंग खड़ी कर दी गई हैरानी की बात यह है कि राजस्व और नगर पालिका के जिम्मेदारों आरआई और अतिक्रमण दल को इसकी भनक तक नहीं लगी स्थानीय लोगों की आपत्ति के बाद प्रशासन आनन-फ़ानन में हरकत में आया गुरुवार को कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निरीक्षण से महज कुछ घंटे पहले ही अतिरिक्त तहसीलदार ने यहां हाथ से लिखा नोटिस चप्पा कर दिया शाम को मुआयना करने पहुंचे कलेक्टर ने सिटी मंजिलस्ट्रेट और सीएमओ को बिल्डिंग की पहली मंजिल तोड़ने के निर्देश दिए हैं परिक्रमावासियों के ठहरने के लिए बन रहा था आश्रम यह दो मंजिला बिल्डिंग परिक्रमावासियों के ठहरने के



लिए आश्रम के रूप में बनाई जा रही थी इसका निर्माण जनभागीदारी समिति द्वारा आपसी सहयोग से कराया जा रहा था जिसमें शासन का एक भी रुपया नहीं लगा है।समिति के अध्यक्ष उमाशंकर चौबे ने परिक्रमावासियों को व्यवस्थित जगह उपलब्ध कराने के लिए यह डबल मंजिल इमारत बनवाई थी। चौंक यह निर्माण उस जगह हो रहा था जहां रोजाना हजारों लोगों की आवाजाही होती है इसलिए स्थानीय नागरिकों ने इस पर आपत्ति जता दी अचानक कार्रवाई से कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

लोगों की शिकायत के बाद स्थानीय अधिकारी एकाएक एक्टिव हो गए। अतिरिक्त तहसीलदार ने नोटिस जारी कर तत्काल काम रुकवा दिया। दो महीने से खुलेआम चल रहे इस निर्माण कार्य को लेकर नगर पालिका और राजस्व अमले की अब तक रही चुप्पी पर कई गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। कलेक्टर के दौरे से ठीक पहले हाथ से लिखा नोटिस चप्पा करना भी अधिकारियों की कार्यप्रणाली को सदेह के घेरे में ला रहा है 300 मीटर के दायरे में पक्के निर्माण पर है कोर्ट की रोक नियमों के



मुताबिक, नर्मदा नदी से 300 मीटर की परिधि में किसी भी तरह के पक्के निर्माण पर कोर्ट की सख्त रोक है। इसके बावजूद नर्मदापुरम में इस प्रतिबंधित दायरे में कई रसूखदारों ने अपने घर और कमर्शियल बिल्डिंग तान रखी हैं। विवेकानंद घाट के अलावा डीडईओ ऑफिस और हनुमान मंदिर के आसपास भी काफी बड़े क्षेत्र में धड़ल्ले से निर्माण कार्य हुए हैं। लोगों ने नदी किनारे शेड लगाकर अपनी हद बढ़ा ली है, लेकिन प्रशासन की तरफ से इन रसूखदारों पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

पहाड़ों के बीच पहुंची विकास की धारा: ढाब में हर घर तक पहुंचा स्वच्छ पानी जहां कभी पानी के लिए था संघर्ष, वहां अब जल जीवन मिशन बना उम्मीद की किरण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। दुर्गम पहाड़ियों, कच्चे रास्तों और सीमित संसाधनों के बीच बसे ग्राम पंचायत खोहरा के आश्रित ग्राम ढाब में आज विकास की नई धारा बह रही है। कभी पानी की एक-एक बूंद के लिए जूझने वाला यह गांव अब जल जीवन मिशन के माध्यम से आत्मनिर्भर और जागरूक ग्राम के रूप में पहचान बना रहा है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित इस महत्वाकांक्षी योजना ने ढाब के ग्रामीणों के जीवन में ऐसा बदलाव लाया है, जिसने गांव की तस्वीर और तकदीर दोनों बदल दी हैं पहले इस गांव के लोगों की दिनचर्या पानी की तलाश से शुरू होती थी। महिलाएं बुजुर्ग और बच्चे कई किलोमीटर दूर नदी कुएं और हैंडपंपों तक पहुंचकर पानी लाने को मजबूर थे पहाड़ी रास्तों से



भारी बर्तन उठाकर पानी लाना ग्रामीणों के लिए रोज की कठिन परीक्षा थी गर्मी के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती थी जब पानी के सीमित स्रोत सूखने लगते थे और लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ता था लेकिन अब हालात पूरी तरह बदल चुके हैं

जल जीवन मिशन के अंतर्गत गांव में विकसित किए गए जल स्रोत, सुदृढ़ पाइपलाइन नेटवर्क और 10 हजार लीटर क्षमता वाली पानी टंकी ने ढाब को नई पहचान दी है मोटर पंप के माध्यम से नियमित जलापूर्ति की व्यवस्था की गई है जिससे अब गांव के



प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल आसानी से पहुंच रहा है जहां पहले पानी लाने में घंटों लग जाते थे वहीं अब घर के पास ही पानी उपलब्ध होने से लोगों का समय और श्रम दोनों बच रहे हैं ग्रामीणों का कहना है कि इस योजना ने सिर्फ पानी की समस्या का

समाधान नहीं किया बल्कि गांव के सामाजिक और स्वास्थ्य स्तर में भी बड़ा बदलाव लाया है। महिलाओं को राहत मिली है, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होती और बुजुर्गों को कठिन चढ़ाई से मुक्ति मिली है। स्वच्छ पानी मिलने से जलजनित बीमारियों में

भी कमी आई है ढाब में ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति की सक्रिय भूमिका इस बदलाव की सबसे बड़ी ताकत बनकर सामने आई है समिति के सदस्य नियमित रूप से जलापूर्ति व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं और ग्रामीणों को जल संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक भी कर रहे हैं। गांव में साफ-सफाई जल स्रोतों की सुरक्षा और पानी के सदुपयोग को लेकर अब लोगों में नई सोच विकसित हुई है आज ढाब केवल एक गांव नहीं बल्कि सामुदायिक सहभागिता, जल संरक्षण और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की जीवंत मिसाल बन चुका है दुर्गम पहाड़ियों के बीच बसे इस छोटे से गांव ने यह साबित कर दिया है कि यदि इच्छाशक्ति और जनभागीदारी हो, तो विकास की धारा सबसे कठिन रास्तों तक भी पहुंच सकती है।

महिला को लाठी मारने वाले महिला से मारपीट का वीडियो सामने आने पर कार्रवाई 4 गिरफ्तार



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। शिवपुरी शहर के देहात थाना क्षेत्र के लुधावली इलाके में महिला आरती प्रजापति पर लाठी से हमला और मारपीट के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनका जुलूस भी निकालाद गिरफ्तार आरोपियों में जीतू पाल उसकी पत्नी ज्योति बाल्मीक सूरज बाल्मीक और तुलसी आदिवासी शामिल हैं। गिरफ्तारी के बाद देहात थाना पुलिस आरोपियों को घटनास्थल पर लेकर पहुंची जहां उनका जुलूस निकाला गया। इस दौरान आरोपी कान पकड़कर अपराध करना पाप है पुलिस हमारी बाप है कहते नजर आए यह वारदात 26 मई की रात को हुई थी जानकारी के अनुसार लुधावली क्षेत्र में आरती प्रजापति और उसकी पड़ोसी ज्योति बाल्मीक के

बीच विवाद हुआ था। विवाद बढ़ने पर ज्योति बाल्मीक सहित चार से पांच लोगों ने आरती पर लाठियों से हमला कर दिया घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है जिसमें महिला के साथ मारपीट होती दिखाई दे रही है घायल आरती को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था घायल महिला की शिकायत पर देहात थाना पुलिस ने ज्योति बाल्मीक जीतू पाल और अन्य आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की थी देहात थाना प्रभारी विकास यादव ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और पीड़िता के बयान के आधार पर कार्रवाई की गई है पुलिस जांच के दौरान आरती के पति नंदू राठौर का नाम भी सामने आया है जिसे मामले में आरोपी बनाया गया है और उसकी तलाश जारी है।

स्मैक तस्कर गिरफ्तार:कोतवाली पुलिस ने 6 लाख का माल और स्विफ्ट कार किया जब्त

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। कोतवाली पुलिस ने अपना नाम हफोज पुत्र रफीक मोहम्मद (38 वर्ष) निवासी हिम्मतगढ़, थाना पनिहार, जिला ग्वालियर बताया। वर्तमान में वह गोल पहाड़िया ग्वालियर में रहता है। तलाशी लेने पर उसके पास से 33.87 ग्राम स्मैक तस्कर और एक स्विफ्ट कार जब्त की है। जब्त सामग्री की कुल कीमत करीब 14 लाख रुपए आंकी गई है कोतवाली थाना प्रभारी रोहित दुबे ने बताया कि पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भुटिया के निर्देश पर जिलेभर में नशे के कारोबारियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले और नगर पुलिस अधीक्षक संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की पुलिस को सूचना मिली थी कि मेंडकल कॉलेज शिवपुरी के सामने कच्चे रास्ते पर एक युवक स्मैक बेचने की फिराक में खड़ा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची जहां एक व्यक्ति बिना नंबर की स्विफ्ट कार के पास खड़ा मिला। पुलिस को देखकर वह भागने लगा

लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम हफीज पुत्र रफीक मोहम्मद (38 वर्ष) निवासी हिम्मतगढ़, थाना पनिहार, जिला ग्वालियर बताया। वर्तमान में वह गोल पहाड़िया ग्वालियर में रहता है। तलाशी लेने पर उसके पास से 33.87 ग्राम स्मैक तस्कर हुई, जिसकी कीमत करीब 6 लाख रुपए है पुलिस ने आरोपी से स्मैक और स्विफ्ट कार जब्त कर कोतवाली थाने में अपराध क्रमांक 417/26 के तहत धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई हो चुकी है। साथ ही ग्वालियर जिले के पनिहार थाने में उसके खिलाफ मारपीट का एक मामला भी दर्ज है कोतवाली पुलिस अब आरोपी से स्मैक के सप्लायर और उसके नेटवर्क के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है।

75 वर्षीय महिला ने बहू पर प्रताड़ना के आरोप लगाए, शिवपुरी एसपी से शिकायत

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी शहर में एक 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने अपशब्द बोलते हैं और गंभीर परिजनों पर मानसिक प्रताड़ना, गाली-गालीज तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है पुनर्जी शिवपुरी स्थित चित्रागुप्त मंदिर के पास रहने वाली मुख्तार बेगम ने शुक्रवार को इस संबंध में पुलिस अधीक्षक (एसपी) शिवपुरी को आवेदन दिया है और कार्रवाई की मांग की है मुख्तार बेगम के अनुसार, उनकी पुत्रवधु शम्मी आए दिन उनके साथ अभद्र व्यवहार करती हैं और अपमानजनक भाषा का प्रयोग कर उन्हें मानसिक रूप से परेशान करती हैं महिला का आरोप है कि विरोध करने पर उन्हें झूठे पुलिस और कोर्ट में फंसाने की धमकियां दी जाती हैं बहू के रिश्तेदार भी परेशान करते हैं बुजुर्ग महिला ने यह भी

आरोप लगाया है कि पुत्रवधु के भाई और अन्य परिजन उनके घर आकर विवाद करते हैं, अपशब्द बोलते हैं और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकियां देते हैं। उन्होंने अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की है मुख्तार बेगम ने पुत्रवधु पर यह भी आरोप लगाया है कि उन्होंने को इस संबंध में पुलिस अधीक्षक (एसपी) शिवपुरी को आवेदन दिया है और कार्रवाई की मांग की है मुख्तार बेगम के अनुसार, उनकी पुत्रवधु शम्मी आए दिन उनके साथ अभद्र व्यवहार करती हैं और अपमानजनक भाषा का प्रयोग कर उन्हें मानसिक रूप से परेशान करती हैं महिला का आरोप है कि विरोध करने पर उन्हें झूठे पुलिस और कोर्ट में फंसाने की धमकियां दी जाती हैं बहू के रिश्तेदार भी परेशान करते हैं बुजुर्ग महिला ने यह भी

सुनारी सरपंच के जाति प्रमाण पत्र फर्जी होने का आरोप कलेक्टर से शिकायत कर जांच की मांग

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। नखर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सुनारी की महिला सरपंच रमेश्री मंडी पर फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर आदिवासी आरक्षित सीट से चुनाव लड़ने का आरोप लगा है। ग्राम सुनारी निवासी निवास रगत ने शुक्रवार को कलेक्टर से इस मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की श्रीनिवास रगत ने आरोप लगाया है कि सरपंच रमेश्री मंडी की वास्तविक जाति केवट है, जो अन्य पिछड़ वर्ग (ओबीसी) श्रेणी में आती है। शिकायतकर्ता का दावा

है कि उन्होंने अपने पति के नाम में बदलाव कर मंडी जाति दर्शित हुए जाति प्रमाण पत्र बनवाया इसी प्रमाण पत्र के आधार पर उन्होंने वर्ष 2022 के पंचायत चुनाव में आदिवासी आरक्षित सीट से चुनाव लड़ा शिकस्त में उल्लेख किया गया है कि संबंधित का जाति प्रमाण पत्र 15 जनवरी 2013 को ग्वालियर जिले की रजा की मंडी तहसील से जारी बताया गया है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि यह जाति प्रमाण पत्र नियमों के विपरीत पित्त के बजाय पति के नाम के आधार पर बनाया गया है।

ओंकारेश्वर में आरटीओ और ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई, 13 बसों से वसूला 44,500 रुपए जुर्माना, 4 ऑटो रिक्शा जप्त



मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर में यात्रियों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए आरटीओ व ट्रैफिक पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाली 13 यात्री बसों पर मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए 44 हजार 500 रुपए का शमन शुल्क (जुर्माना) वसूला गया। वहीं, बिना जरूरी दस्तावेजों के नियम विरुद्ध संचालित 4 ऑटो रिक्शा को जब्त कर मांझता थाना परिसर में सुरक्षित खड़ा कराया गया है। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी दीपक मांझी ने बताया कि अभियान के तहत कुल 52 यात्री बसों की जांच की गई। इस दौरान वाहनों की फिटनेस, परमिट, बीमा और प्रदूषण प्रमाण पत्र (पीयूसी) की बारीकी से पड़ताल हुई, जिनमें अनियमितताएं मिलने पर चालान बनाए गए। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित सफर मुहैया कराने और सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम कसने के लिए भविष्य में भी यह सघन जांच अभियान लगातार जारी रहेगा।

रायसेन में 44 से सीधे 38 डिग्री पर पहुंचा पारा, बादल छाने से नौतपा पड़ा ठंडा, तेज हवाओं से बदला मौसम



मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन में नौतपा के पांचवें दिन शुक्रवार को मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। सुबह से आसमान में बादल छाए रहे और तेज हवाएं चलती रही। इस बदलाव से लोगों को तेज गर्मी से राहत मिली। पिछले चार दिनों से लगातार बढ़ रहा तापमान शुक्रवार दोपहर तक करीब 6 डिग्री सेल्सियस नीचे आ गया। बीते चार दिनों में रायसेन का अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। शुक्रवार दोपहर करीब 1:30 बजे तापमान 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तेज हवाओं और बादलों के कारण आमजन ने राहत की सांस ली। प्रदेश के कई अन्य जिलों में भी मौसम में बदलाव देखा गया। ग्वालियर और मुरैना सहित कई इलाकों में आंधी और बारिश का असर रहा। वहीं, रायसेन में भी मौसम ने करवट ली है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक प्रदेश के कई हिस्सों में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, 30 और 31 मई के साथ 1 जून को भी प्रदेश के अलग-अलग जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है। कुछ स्थानों पर ओले गिरने की भी संभावना है। विशेष रूप से 30 मई को अधिक जिलों के लिए आंधी-बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

‘सार्वजनिक वितरण प्रणाली में स्वचालन के साथ आय’ योजना के लिए मंजूरी सराहनीय, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री मोदी का माना आभार

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा सार्थक-पीडीएस फेज-2 के लिए 25 हजार 530 करोड़ की मंजूरी देने पर आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि ‘राशन परिवहन और प्रबंधन में सहायता- सार्वजनिक वितरण में स्वचालन के साथ आय’ की यह पहल सराहनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सार्थक- पीडीएस योजना में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और अन्य आधुनिक तकनीकों के उपयोग से राशन वितरण व्यवस्था अधिक पारदर्शी हो सकेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का यह निर्णय गरीब कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गत एक दशक में टीपीडीएस के संपूर्ण कम्प्यूटीकरण, पीडीएस के एकीकृत प्रबंधन (आईएम-पीडीएस) और स्मार्ट पीडीएस जैसी कई डिजिटलीकरण पहलों को लागू करने के साथ ही मेरा राशन, अन्न मित्र, राइटफुल टारगेटिंग डैशबोर्ड और अन्न सहायता जैसी नागरिक-केंद्रित प्राथमिकताओं को भी लागू किया गया है।

बाइक और पत्थर के बीच में फंसा युवक, मौत

बुरहानपुर में सड़क हादसे में मृतक की नहीं हो पाई पहचान



मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर: इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर गुरुवार दोपहर एक बाइक दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। यह हादसा दहीनाला हसनपुरा के पास हुआ। सूचना मिलने पर निबोला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को बुरहानपुर जिला अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब 2 बजे युवक अपनी

मंदसौर में तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराई, कार में फंसे 2 युवकों को निकाला

शराब पीने की आशंका, महु-नीमच हाईवे पर हादसा

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के पिपलियामंडी थाना क्षेत्र में महु-नीमच हाईवे पर गुरुवार रात एक सड़क हादसा हो गया। चौपाटी इलाके के पास एक तेज रफ्तार स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर की रेलिंग से जा टकराई। हादसे में सुवासरा निवासी दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल (मंदसौर) रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दुर्घटना गुरुवार रात करीब 12 बजे हुई। कार नीमच से मंदसौर की तरफ आ रही थी। रफ्तार इतनी तेज थी कि चालक ने नियंत्रण खो दिया और कार सीधे रेलिंग में जा चुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।



कार पर नंबर प्लेट नहीं, नशे में होने की चर्चा: लोगों ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त स्विफ्ट कार पर नंबर प्लेट नहीं लगी थी। मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि कार सवार दोनों युवकों ने भारी मात्रा में शराब पी रखी थी। हालांकि, पुलिस की तरफ से फिलहाल नशे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

कार में फंसे थे युवक, टोल

पचमढ़ी के बजाय इस बार सेठानी घाट पर आम महोत्सव मालदा, मल्लिका समेत 40 किस्मों के आमों लगेगी प्रदर्शनी



मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में इस बार पचमढ़ी के बजाय जिला मुख्यालय स्थित सेठानी घाट पर आम महोत्सव का आयोजन होगा। 30, 31 मई को दो दिवसीय मैंगो फेस्टिवल लगेगा। जिसमें 40 से ज्यादा

किस्मों के आमों की 150 प्रदर्शनी लगेगी। 30 मई को आम महोत्सव का शुभारंभ होगा। फेस्टिवल में किसान व आम लोगों को आम की विभिन्न प्रजातियों से अवगत कराया। आम पैदावार की विधियों और लोगों को आम के पौधे लगाने के

लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से इसका आयोजन होगा। आमों के अलग अलग वजन रांग, रूप को देखने को मिलेंगे।

बाम्बेग्रीन, मालदा, मल्लिका आम रहेंगे आकर्षण का केंद्र: उद्यानिकी विभाग की उप संचालक रीता खंडे ने बताया कि फेस्टिवल में 40 से ज्यादा किस्मों के आमों के 150 स्टॉल लगाए जाएंगे। जिसमें रायल मिश्री, सुन्दरजा, मालदा, चोसा, स्वर्णरेखा, जरदालू, स्वर्णरेखा, मल्लिका पगारा से पयारी, साविनीया, बाम्बेग्रीन, कृष्ण भोग, मालगोवा, नीलम, दशहरी, बादाम, लंगड़ा समेत अन्य आम है। पचमढ़ी, मटकुली, माखननगर के सबसे फेमस बाम्बेग्रीन, मालदा, मल्लिका आम के साइज और स्वाद आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

कौशल विकास प्रशिक्षण 2026-27 के लिए 12 जून तक करें ऑनलाइन आवेदन, 39 ट्रेडों में प्रशिक्षण उपलब्ध

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इच्छुक अभ्यर्थी 12 जून 2026 तक बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट <https://mpkhadigramodyog.org> पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के तहत प्रत्येक जिले में सामान्य रूप से 30 प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया जाएगा, जिसमें 30 प्रतिशत महिला प्रशिक्षणार्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। आवेदन के लिए अभ्यर्थी का मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना और आयु 18 से 45 वर्ष के बीच होना अनिवार्य है। साथ ही आवेदक ने पूर्व में किसी शासकीय विभाग से निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण प्राप्त न किया हो। आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे और जिला स्तरीय समिति द्वारा दस्तावेजों का

सत्यापन एवं पात्रता जांच के बाद चयन किया जायेगा।

आवेदकों को अपनी रुचि के अनुसार प्राथमिकता क्रम में तीन ट्रेड चुनने होंगे। चयनित प्रशिक्षणार्थियों को आवासीय प्रशिक्षण के दौरान आवास और भोजन की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। प्रशिक्षण समाप्ति के बाद परीक्षा आयोजित कर ग्रेड के अनुसार छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाएगी। आवेदन करते समय समग्र आईडी, आधार नंबर और सभी दस्तावेज स्पष्ट एवं सही रूप में अपलोड करना अनिवार्य है तथा समग्र आईडी और ई-केवाईसी संबंधी निर्देशों का पालन करना होगा। अधिक जानकारी और सहायता के लिए अभ्यर्थी हेल्पलाइन नंबर 0755-2552714 पर संपर्क कर सकते हैं।

मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा कौशल विकास कार्यक्रम 2025-26 के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में कुल 39 प्रशिक्षण ट्रेड

उपलब्ध कराए गए हैं। प्रशिक्षण की अवधि 15 दिन से लेकर 6 माह तक है। आवेदक अपनी रुचि के अनुसार 3 ट्रेड प्राथमिकता क्रम में चुन सकते हैं।

आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र: कम्प्यूटर हार्डवेयर रिपेयरिंग - 3 माह, 500 घंटे, कम्प्यूटर एकाउंट विथ टेली - 3 माह, 500 घंटे, मोबाइल रिपेयरिंग - 2 माह, 400 घंटे, डीटीपी - 3 माह, 500 घंटे

इलेक्ट्रिकल क्षेत्र: इलेक्ट्रीशियन घरेलू उपकरण - 3 माह, 600 घंटे, मोटर वायरिंग - 3 माह, 600 घंटे, इलेक्ट्रीशियन - 4 माह, 700 घंटे, इलेक्ट्रीशियन इंडस्ट्रियल - 4 माह, 700 घंटे, सोलर पैनल इंस्टालेशन 3 माह, 500 घंटे, गारमेंट्स एवं फैशन डिजाइनिंग, बेसिक सिलाई गारमेंट्स - 3 माह, 520 घंटे, फैशन डिजाइनिंग - 3 माह, 480 घंटे, हैंड एम्ब्रायडरी - 3 माह, 520 घंटे जिग-जैग मशीन एम्ब्रायडरी - 3 माह, 680 घंटे, एडवांस फैशन डिजाइनिंग - 6

माह, 1040 घंटे, फैशन टेक्नोलॉजी - 6 माह, 1040 घंटे, टाउजर कटिंग, जोधपुरी जैकेट, फैब्रिक ड्रॉपिंग जैसे ट्रेड भी शामिल हैं

निर्माण एवं अन्य पारंपरिक कौशल: प्लम्बर, राजमिस्त्री - 3 माह, 500 घंटे, बेकरी - 2 माह, 350 घंटे, अगरबत्ती निर्माण - 2 माह, 260 घंटे, कृत्रिम आभूषण निर्माण - 2 माह, 320 घंटे, जरी जरदोजी - 4 माह, 680 घंटे

लेदर एवं हैंडक्रॉफ्ट: लेदर फुटवेयर, लेदर गुड्स, लेदर फुटवेयर ऑपरेटर - 3 माह, 480 से 560 घंटे, बाटिक प्रिंटिंग, टाई एंड डाई, ब्लॉक प्रिंटर - 3 माह, 500 घंटे

अन्य ट्रेड: दोना-पतल निर्माण - 15 दिन, 120 घंटे, मधुमक्खन - 1 माह, 200 घंटे, स्पिनिंग चरखा - 1 माह, 150 घंटे, प्लेन वीविंग, एडवांस वीविंग, बेसिक वीविंग - 1 से 4 माह, रिटेल सेल एप्सोसिएट, असिस्टेंट फैशन सेल्स - 3 माह, 520 से 680 घंटे।

खरीफ 2026 की तैयारी तेज, जिले में 3.70 लाख हेक्टेयर में सोयाबीन बोवनी का अनुमान

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। खरीफ वर्ष 2026 को लेकर जिले में कृषि विभाग द्वारा तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इस वर्ष जिले में लगभग 3 लाख 70 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सोयाबीन बोवनी का अनुमान लगाया गया है। अनुमानित रकबे को ध्यान में रखते हुए किसानों के लिए लगभग 80 हजार क्विंटल सोयाबीन बीज की आवश्यकता निर्धारित की गई है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने हेतु शासकीय एवं निजी स्तर पर पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया गया है। वर्तमान में राष्ट्रीय बीज निगम (NSC), बीज निगम, बीज संघ तथा किसान उत्पादक संगठन (FPO) के पास लगभग 50 हजार क्विंटल सोयाबीन बीज उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त जिले के निजी बीज विक्रेताओं एवं डीलरों के पास करीब 35 हजार क्विंटल बीज का भंडारण मौजूद है। अधिकारियों का कहना है कि उपलब्ध बीज की मात्रा जिले की आवश्यकता के अनुरूप पर्याप्त है तथा किसानों को समय पर बीज वितरण सुनिश्चित करने के लिए सतत निगरानी की जा रही है। कृषि विभाग द्वारा किसानों को प्रमाणित एवं उन्नत किस्म के बीज उपयोग करने की सलाह दी जा रही है ताकि बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सके। विभागीय अधिकारियों ने किसानों से अपील की है कि वे अधिकृत विक्रेताओं से ही बीज क्रय करें तथा बीज खरीदते समय बिल एवं टैग अवश्य प्राप्त करें। साथ ही बोवनी पूर्व बीजोपचार अपनाने एवं मौसम अनुकूल कृषि कार्य करने की सलाह भी दी गई है। खरीफ सीजन को सफल बनाने के लिए जिले में बीज उपलब्धता, उर्वरक वितरण एवं कृषि आदानों की सतत समीक्षा की जा रही है, जिससे किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

सागर में सड़क किनारे मिला 31 वर्षीय

युवक का शव नाक-मुंह से बह रहा था खून



जब वह वापस नहीं लौटा, तो परिवार वाले चिंतित थे। शुक्रवार सुबह अचानक उन्हें सूचना मिली कि मुनमुन ढाबे के सामने सड़क किनारे अमिता का शव पड़ा हुआ है।

विवाद और हत्या का शक: सूचना मिलते ही परिजन तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने देखा

कि अमित के मुंह और नाक से खून बह रहा था।

परिजनों का कहना है कि चोट और खून देखकर साफ लग रहा है कि अमित का किसी से विवाद हुआ है और उसकी हत्या की गई है। उन्होंने पुलिस से इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों का पता लगाने की मांग की है।

जंक्शन पर ठहराव: वापसी में, गाड़ी संख्या 02157 चारलापल्ली-रीवा साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन 8 जून से 29 जून तक प्रत्येक सोमवार को चलेगी। यह चारलापल्ली से शाम 5 बजे रवाना होगी और अगले दिन नागपुर (1:45 बजे),

विनेश मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंची डब्ल्यूएफआई



नई दिल्ली, एजेंसी। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) ने महिला पहलवान विनेश फोगाट को आगामी एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में भाग लेने की इजाजत देने वाले दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। डब्ल्यूएफआई की इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई होगी। इसके बाद ही ये स्पष्ट हो पाएगा कि विनेश ट्रायल में भाग ले सकेंगी या नहीं। इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने 22 मई को अपने एक आदेश में विनेश को ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति दी थी। अदालत ने डब्ल्यूएफआई को 30-31 मई को होने वाले चयन ट्रायल्स की वीडियो रिकॉर्डिंग करने का भी निर्देश दिया था, जिसमें स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) और इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) के एक-एक स्वतंत्र पर्यवेक्षक की उपस्थिति अनिवार्य की गई थी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय कुश्ती महासंघ को विनेश फोगाट को भेजे गए एक नोटिस के लिए कड़ी फटकार भी लगाई थी। डब्ल्यूएफआई ने उस नोटिस में कहा था कि पेरिस ओलंपिक में विनेश का वजन ज्यादा होने के कारण बाहर होना देश के लिए शर्म का विषय था। हाईकोर्ट ने इस नोटिस को अनुचित ठहराया था। डब्ल्यूएफआई की यह चुनौती पूर्व के उन बयानों से उत्पन्न है, जिसमें महासंघ के सूत्रों ने कहा था कि वे अदालत के आदेश का सम्मान करेंगे और इस फैसले को चुनौती नहीं देंगे। हालांकि, महासंघ ने पहले यह संकेत जरूर दिया था कि अगर विनेश ट्रायल्स के जरिए क्वालीफाई कर भी लेती हैं, तो भी लॉजिस्टिक्स से जुड़ी दिक्कतें आ सकती हैं। उनका तर्क था कि इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों की सूची इस महीने की शुरुआत में ही जापान भेजी जा चुकी है। संघ की तरफ से यह भी कहा गया था कि अगर उन्हें एक आइकॉनिक खिलाड़ी के तौर पर टीम में शामिल किया भी जाता है, तो उन्हें 50 किलोग्राम वर्ग में ही मुकाबला करना होगा। अब सभी की निगाहें सुप्रीम कोर्ट पर टिकी हैं कि वह इस जटिल मामले में क्या फैसला लेता है। शुक्रवार को होने वाली सुनवाई के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि पहलवान विनेश फोगाट के एशियाई खेलों के ट्रायल में हिस्सा लेने का मार्ग प्रशस्त होगा या उन्हें एक और कानूनी लड़ाई का सामना करना पड़ेगा।

बीसीसीआई ने खिलाड़ियों के प्रतिबंधित क्षेत्रों में स्मार्ट ग्लासेस पहनने पर रोक लगायी

मुम्बई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने खिलाड़ियों के प्रतिबंधित क्षेत्रों में स्मार्ट ग्लासेस पहनने पर रोक लगा दी है। बोर्ड ने ये कदम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अत्याधुनिक संचार उपकरणों के बढ़ते चलन और उनके संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए उठाया है। ऐसे में अब सहयोगी स्टाफ के लिए एक नई एडवाइजरी जारी की गयी है। इसके तहत अब खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम, डायाउट और मैदान के आसपास के प्रतिबंधित क्षेत्रों में स्मार्ट ग्लासेस, सनग्लासेस और गॉगल्स नहीं पहन सकेंगे। यह कदम लीग की अखंडता और निष्पक्षता बनाए रखने की दिशा में एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है।



बीसीसीआई की भ्रष्टाचार-रोधी और सुरक्षा इकाई से बोर्ड को जानकारी दी गयी थी कि कुछ कर्पनिया टी20 लीग में शामिल खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों को ऐसे विशेष उपकरण बेचने का प्रयास कर रही हैं। साथ ही कहा गया कि स्मार्ट आईवियर प्रोजेक्ट्स लाइव स्ट्रीमिंग करने, टेक्स्ट मैसेज भेजने और वाई-फाई या मोबाइल डेटा के जरिए ऑडियो-वीडियो कॉल करने में सक्षम हैं। इन क्षमताओं ने बोर्ड की चिंता बढ़ा दी है। उसे आशंका है कि इन उपकरणों का लाइव मैच के दौरान गलत इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे मैच फिक्सिंग या संवेदनशील जानकारी साझा करने जैसी गतिविधियां हो सकती हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पहनने योग्य तकनीक लगातार उन्नत हो रही है, जिससे छिपे हुए संचार तरीकों को लेकर चिंता बढ़ रही है। इस कार्रवाई से साफ है कि लीग जोखिमों से निपटने के लिए लगातार सतर्क है। यह निर्देश ऐसे समय में आया है जब बीसीसीआई ने लीग पर अपनी निगरानी बढ़ा दी है। इसी महीने की शुरुआत में ही बोर्ड ने एक और एडवायजरी जारी की थी, जिसमें खिलाड़ियों, टीम मालिकों और अधिकारियों द्वारा किए गए गंभीर प्रोटोकॉल उल्लंघनों के बारे में बताया गया था।

तो वैभव पर लग सकती है 50 करोड़ की बोली: आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल के 19 वें सत्र में जिस प्रकार से राजस्थान रॉयल्स के 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी छाये हुए और लगातार नये रिकार्ड बना रहे हैं। उससे उनकी मांग काफी बढ़ गयी है और कई टीमों उन्हें लेना चाहती हैं। इसी को देखते हुए पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि जिस प्रकार से वैभव की मांग तेजी से बढ़ी है। उसको देखते हुए अगर वैभव अगले सत्र में बड़ी आईपीएल नीलामी में उतरते हैं, तो उन पर 50 करोड़ रुपये तक की बोली लग सकती है, जिससे नीलामी का एक नया इतिहास बन जाएगा। साथ ही कहा कि वैभव सहित इन 5 अनकैड खिलाड़ियों प्रियांश आर्या, प्रभसिमरन सिंह, कार्तिक त्यागी और साकिब हुसैन को भी नीलामी में मोटी रकम मिल सकती है।

वर्तमान ईपीएल सीजन में वैभव ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उससे सभी हैरान हैं। उन्होंने अपनी टीम के लिए अब तक बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 680 रन बनाये हैं और वह सबसे अधिक रनों के लिए मिलनी वाली ऑरेंज कैप की रस में सबसे आगे हैं। पिछले आईपीएल सत्र में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें केवल 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा था। उनके मौजूदा प्रदर्शन को देखते हुए यह उम्मीद कम ही है कि



राजस्थान रॉयल्स उन्हें किसी भी कीमत पर अपनी टीम से जाने देना चाहेंगी पर अगर बड़ी नीलामी के नियम बदलते हैं और वैभव नीलामी टेबल पर आते हैं, तो सभी नौ टीमों उन पर अपनी दांव लगाना चाहेंगी।

आकाश के अनुसार ऐसे में वैभव पर लगाने वाली मोटी रकम से आईपीएल इतिहास में एक नया अध्याय लिखा जाएगा। उन्होंने भविष्यवाणी की है कि टीमों उन पर 30 करोड़ रुपये तक की बोली लगाने से पीछे नहीं



अश्विन बोले, हेड को लेकर फैसला करे सनराइजर्स



चेन्नई, एजेंसी। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि सनराइजर्स हैदराबाद को अगले सत्र से पहले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड को लेकर कोई फैसला करना होगा। अश्विन के अनुसार हेड का प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है। अश्विन के अनुसार राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में जिस प्रकार से हेड लपरवाही से शॉट खेलकर आउट हुए उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। टीम को इस मैच में 243 रनों का बड़ा लक्ष्य हासिल करना था। ऐसे में हेड को जिम्मेदारी से खेलना चाहिये था। इसके अलावा उन्होंने इशान किशन की भी खराब पारी के लिए

आलोचना की है।

अश्विन के अनुसार हेड के अलावा सनराइजर्स के अन्य बल्लेबाजों ने भी गैरजिम्मेदाराना शॉट खेलकर अपनी टीम को जीत से दूर कर दिया। उन्होंने कहा कि टीम यह मैच आसानी से जीत सकती थी, खासकर जिस तरह से टीम ने शुरुआती ओवरों में धमाकेदार शुरुआत की थी। अश्विन ने कहा, जब टीम पहले दो ओवर में 32-34 रन और तीन ओवर में लगभग 50 रन बना चुकी थी, तब मैच में 243 रनों का बड़ा लक्ष्य हासिल करना था। ऐसे में हेड को जिम्मेदारी से खेलना चाहिये था। इसके अलावा उन्होंने इशान किशन की भी खराब पारी के लिए

ट्रेविस हेड के कमजोर प्रदर्शन पर भी अश्विन ने सवाल खड़े किए और फेंचाइजी प्रबंधन को उनके भविष्य पर विचार करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, हेड ने इस सत्र में बिल्कुल भी अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। मैनेजमेंट को उनके बारे में जरूर सोचना चाहिए। उन्हें ज्यादा जिम्मेदारी के साथ बल्लेबाजी करनी चाहिए थी। एलिमिनेटर मुकाबले में, हेड सिर्फ 8 गेंदों में 17 रन बनाकर जोफ्रा आर्चर की गेंद पर बोल्टड हो गए, जब वह एक बड़ा शॉट खेलने का प्रयास कर रहे थे।

आईपीएल के इस सत्र में हेड का प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। उन्होंने इस सत्र में 410 रन बनाए और केवल दो अर्धशतक लगाए, जबकि उनका स्ट्राइक रेट 170.12 रहा। यह प्रदर्शन आईपीएल 2024 के मुकाबले फीका रहा, जहां उन्होंने एसआरएच के लिए विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए 567 रन बनाए थे और टीम की आक्रामक बल्लेबाजी की पहचान बन गए थे। उस शानदार प्रदर्शन के बाद ही फेंचाइजी ने उन्हें 14 करोड़ रुपये में रिटन किया था। पिछले दो सत्र से जिस प्रकार से हेड का प्रदर्शन नीचे आया है। उससे तय है कि अगरली बार टीम शायद ही उन्हें अवसर दे।

मंधाना की कप्तानी में भारतीय टीम ने पहले टी20 में इंग्लैंड को हराया

चेल्म्सफोर्ड, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने यहां इंग्लैंड को पहले टी20 मुकाबले को 38 रनों से हराकर चार मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर को आराम दिये जाने के कारण इस मैच में स्मृति मंधाना कप्तानी कर रहीं थीं पर वह बल्लेबाजी में विफल रहीं और अपना खाता भी नहीं खोल पायीं। मंधाना पहली ही गेंद पर पेवेलियन लौट गयीं।

मंधाना,इंग्लैंड की तेज गेंदबाज लॉरेन बेल का शिकार बनीं। गईं। मंधाना किसी टी20 क्रिकेटर अंतरराष्ट्रीय में मैच की पहली गेंद पर आउट होने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर हैं। मंधाना के आउट होने के बाद युवा बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने 69 रन और यास्रिका भाटिया ने 54 रन बनाकर पारी संभाली। इससे भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 188 रन बनाये।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी। केवल विकेटकीपर-बल्लेबाज एमी जोन्स ने 67 रन बनाये पर अन्य बल्लेबाज असफल रहीं। भारतीय टीम की ओर से नंदनी शर्मा ने चार ओवर में केवल 34 रन देकर 3 विकेट लिए। इंग्लैंड की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर केवल 150 रन ही बना पायी और 38 रनों से हार गयी। मंधाना की कप्तानी में भारतीय टीम की टी20 अंतरराष्ट्रीय में ये पहली जीत है।



टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को रोहित सहित इन खिलाड़ियों ने नई पहचान दी

मुम्बई, एजेंसी। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट प्रारूप आजकल छाया हुआ है। इसमें तेजी से लगने वाले चौके और छक्कों से खेल का रोमांच बना रहता है। जिससे दर्शकों की भारी भीड़ स्टेडियमों में नजर आती है। टी20 प्रारूप में कई पावर हिटर हुए हैं जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से खेल को एक अलग पहचान दी है। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा सहित कई ऐसे बल्लेबाज हुए हैं। जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से इस प्रारूप का रोमांच बढ़ाया है हालांकि अब रोहित ने इस प्रारूप से संन्यास ले लिया है और वह केवल लीग क्रिकेट ही खेलते हैं।

रोहित शर्मा - रोहित ने साल 2007 से 2024 तक के अपने शानदार करियर में 159 मैचों की 151 पारियों में 4231 रन बनाए हैं, जिसमें पांच शतक और 32 अर्धशतक शामिल हैं। 140.89 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए, रोहित के नाम टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक 205 छक्के दर्ज हैं, जो उन्हें इस प्रारूप का सबसे खतरनाक सलामी बल्लेबाज बनाता है।

मुहम्मद वसीम : एसोसिएट टीम संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के कप्तान मुहम्मद वसीम इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। 2021 से 2026 तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पहचान बनाने वाले वसीम ने 99 मैचों में 3371 रन बनाए हैं। 36.24 की औसत और 150.96 के तूफानी



स्ट्राइक रेट के साथ, उन्होंने 196 छक्के लगाये हैं। वसीम रोहित के रिकार्ड (205 छक्के) के बेहद करीब हैं, जो एक एसोसिएट नेशन के खिलाड़ी के रूप में उनकी असाधारण क्षमता को दिखाता है।

करणबीर सिंह - ऑस्ट्रेिया के करणबीर सिंह ने अपने छोटے से अंतरराष्ट्रीय करियर (2024-2026) में ही अपनी छाप छोड़ी है। केवल 53 मैचों की 52 पारियों में उन्होंने 2220 रन बनाए हैं। 48.26 की बेहतरीन औसत और 172.76 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट के साथ, करणबीर ने 180 छक्के लगाए हैं, जिससे वह दुनिया के दिग्गज बल्लेबाजों की सूची में खड़े हो गए हैं।

सूर्यकुमार यादव : भारत के सूर्यकुमार यादव, जिन्हें मिस्टर 360 के नाम से जाना जाता है, इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। 2021 में पदार्पण करने वाले सूर्य ने 113 मैचों की 107 पारियों में 3272 रन बनाए हैं। 162.94 के लाजवाब स्ट्राइक रेट के साथ, सूर्यो ने अब तक 179 छक्के लगाए हैं, जो मैदान के हर कोने में शॉट खेलने की उनकी अनोखी कला को दिखाता है।

जोस बटलर : इंग्लैंड के कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर इस सूची में शामिल हैं। बटलर ने साल 2011 से 2026 तक इंग्लैंड के लिए 155 मैचों की 143 पारियों में 4037 रन बनाए हैं।

हटेगी। चोपड़ा ने यह भी कहा कि अगर भविष्य में आईपीएल की रकम बढ़कर 200 करोड़ रुपये तक होती है, तो वैभव सूर्यवंशी 50 करोड़ रुपये में भी बिक सकते हैं। यह आंकड़ा वर्तमान आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी लखनऊ सुपर जायंट्स के ऋषभ पंत 27 करोड़ रुपये के रिकार्ड को भी ध्वस्त कर देगा। वैभव के अलावा, आकाश ने अगले सत्र के लिए बड़ी नीलामी में मोटी रकम हासिल कर सकने वाले कुछ अन्य अनकैड भारतीय खिलाड़ियों में सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज साकिब हुसैन, जिन्होंने अपने पहले ही सीजन में अपनी कमाल की गेंदबाजी से काफी प्रभावित किया है, उन पर 8-9 करोड़ रुपये तक की बोली लग सकती है। पंजाब किंग्स के प्रभसिमरन सिंह, जो बतौर बल्लेबाज और विकेटकीपर दोनों ही विकल्प देते हैं, उनकी कीमत 10-12 करोड़ रुपये तक जा सकती है। इसके साथ ही, प्रियांश आर्या, जो पिछले दो सीजन से शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं उन पर भी 8-10 करोड़ रुपये तक का दांव लग सकता है। कोलकाता नाइट राइडर्स के कार्तिक त्यागी और चेन्नई सुपर किंग्स के आयुष म्हात्रे ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है जिसका लाभ उन्हें मिल सकता है। आयुष म्हात्रे 7 से 10 करोड़ रुपये और कार्तिक त्यागी 10 करोड़ रुपये से अधिक में बिक सकते हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स में बड़े बदलाव होना तय

मुम्बई, एजेंसी। आईपीएल 2026 के सत्र में अंतिम स्थान पर रही लखनऊ सुपर जायंट्स में अब बड़े बदलाव की संभावना है। ये भी कहा जा रहा है कि अगले सत्र में टीम में कई स्टार खिलाड़ी नजर नहीं आयेंगे। ऋषभ पंत की कप्तान में टीम 14 मुकाबलों में से केवल चार में ही जीती है। जिससे उसके केवल 8 अंक ही मिले पाये। एक रिपोर्ट के अनुसार इस प्रकार के प्रदर्शन से प्रबंधन नाराज है और अगले सत्र के लिए एक बेहतर टीम बनाना चाहता है। रिपोर्ट्स के अनुसार आगामी आईपीएल 2027 सत्र के लिए होने वाली मिनी नीलामी से पहले कई बड़े और महंगे खिलाड़ियों को टीम से बाहर किया जाना तय है। यहां तक कि कप्तान ऋषभ पंत भी इसस बाहर नहीं हैं।

टीम ने उन्हें 27 करोड़ रुपये की रिकार्ड कीमत पर टीम में शामिल किया था पर करीब दो सत्र बाद भी वह परिणाम नहीं दे पाये हैं। 28 मैचों में उन्होंने सिर्फ 581 रन बनाए, जो उनकी क्षमता के हिसाब से काफी कम हैं। बतौर कप्तान के उनका रिकार्ड प्रभावशाली नहीं रहा, क्योंकि उनके नेतृत्व में टीम लगातार दो सत्र में प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी। ऐसे में फेंचाइजी अब उनके भविष्य पर गंभीरता से विचार कर रही है और संभव है कि उन्हें अगले सत्र में नई भूमिका या टीम से बाहर का रास्ता देखना पड़ सकता है। इसके अलवा वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज निकोलस पूरन भी टीम की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए। 21 करोड़ रुपये में रिटन किए गए पूरन ने इस सत्र में 14 मैचों में केवल 234 रन बनाए। मध्यक्रम में उनकी असफलता से टीम को कई महत्वपूर्ण मैचों में हार झेलनी



आवेश खान भी बेहद महंगे साबित हुए। 9.75 करोड़ रुपये में खरीदे गए आवेश ने सात मैचों में केवल छह विकेट लिए और उनका इकोनॉमी रेट 11 से भी अधिक रहा, जो टी20 क्रिकेट के लिहाज से स्वीकार नहीं किया जा सकता है। अनुभवी स्पिन ऑलराउंडर वार्निंद हरसंगा भी चोट के कारण पूरे सत्र में उपलब्ध नहीं रहे, जिससे टीम को उनके अनुभव की कमी खली। युवा बल्लेबाज अब्दुल समद को फिनिशर की भूमिका दी गई थी पर उसमें वह वह असफल रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्टजे और बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीट्ज़के को भी इस टीम की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए। 21 करोड़ रुपये में रिटन किए गए पूरन ने इस सत्र में 14 मैचों में केवल 234 रन बनाए। मध्यक्रम में उनकी असफलता से टीम को कई महत्वपूर्ण मैचों में हार झेलनी भी मौजूद हैं।

अंबाती ने यशस्वी को किसी अन्य टीम में जाने सुझाव दिया

हैदराबाद, एजेंसी। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायडू ने कहा कह है कि राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को किसी अन्य टीम में जाना चाहिये । रायडू के अनुसार राजस्थान रॉयल्स में जिस प्रकार से है उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी खेल रहे हैं । उसके कारण सभी का ध्यान उनपर है । ऐसे में यशस्वी की अच्छी पारियों पर भी किसी का ध्यान नहीं जा रहा है । रायडू के अनुसार इन हालातो में यशस्वी को किसी दूसरी फेंचाइजी के लिए खेलना चाहिये । रायडू के अनुसार यशस्वी अपने बल पर टीम को मैच जिता सकते हैं पर रॉयल्स में वैभव की वमक में वह पीछे होते जा रहे हैं । रायडू ने कहा कि यशस्वी को अब ऐसी टीम में जाना चाहिए जहां वह अपने को बेहतर तरीके से स्थापित कर सकें । रायडू ने कहा, उसे टीम बदलनी चाहिए, क्योंकि वह हर बार वैभव के साथ बल्लेबाजी करते हुए दब नहीं सकता । वह खुद भी बड़ा खिलाड़ी है । अगर वह किसी दूसरी टीम में जाता है तो अपने बल पर टीम को मैच जिताने में सक्षम है । इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि उसे एक ऐसा मंच चाहिये जिसपर वह खुलकर खेल सके । वैभव लगातार बाकी खिलाड़ियों पर भारी पड़ता पड़ता जा रहा है । उसके साथ एक अनुभवी साझेदार होना चाहिए जो इस स्थिति को समझ सके और मुकाबला करने का प्रयास न करे । आप उसके साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते । साथ ही कहा कि यशस्वी को मुंबई इंडियंस जाना चाहिये जहां वह पारी की शुरुआत भी कर सकते हैं । रायडू ने माना कि मुंबई इंडियंस उनके लिए एक अच्छी फेंचाइजी साबित हो सकती है । उन्होंने कहा, मुंबई इंडियंस यशस्वी के लिए शानदार टीम हो सकती है । वह मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट भी खेलते हैं, इसलिए वह उनके लिए ठीक रहेगी ।

आईपीएल में वैभव के निशाने पर अब गेल के दो बड़े रिकार्ड

मुम्बई, एजेंसी। आईपीएल के इस सत्र में राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी ने धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए कई रिकार्ड बनाये हैं । एलीमिनेटर मुकाबले में वैभव ने तूफानी पारी खेलते हुए विस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल का एक सत्र में सबसे अधिक छक्के मारने का रिकार्ड तोड़ा था । वहीं वैभव के निशान पर अब गेल के दो अन्य रिकार्ड हैं जिन्हें वह तोड़ सकते हैं । सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में वैभव ने केव 29 गेंदों पर 97 रनों की तूफानी पारी थी । अब राजस्थान रॉयल्स क्वालीफायर 2 में आज गुजरात टाइटंस का सामना करेंगे । इस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी के निशाने पर वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिस गेल के दो बड़े रिकार्ड होंगे, जिन्हें तोड़ने के लिए वह पूरी तरह से कमर कस चुके हैं । वैभव ने एक आईपीएल सीजन में सर्वाधिक छक्के लगाने के क्रिस गेल (59 छक्के) के रिकार्ड को तोड़ दिया है । वह एक आईपीएल सत्र 600 रन बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज भी बन गए हैं । इसके अलावा, उन्होंने एक ही सत्र में तीन ऐसी पारियां खेली हैं, जिनमें 10 या उससे अधिक छक्के लगाए गए हैं, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है । अब वह गेल के सबसे तेज शतक के रिकार्ड के अलावा गेल के आईपीएल में बनाए गए सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर 175 रनों के रिकार्ड को भी तोड़ने का प्रयास करेंगे । गेल के नाम केवल 30 गेंदों में सबसे तेज शतक का रिकार्ड है ।

घरों में साफ पानी मिलने लगे तो अस्पतालों की भीड़ आधी हो जाएगी: उप मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री के संकल्प ने गांव तक पानी पहुंचाया, इसे घर-घर पहुंचाना सरपंचों की जिम्मेदारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जल जीवन मिशन की प्रशिक्षण कार्यशाला का उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने शुभारंभ किया। उप मुख्यमंत्री ने कृष्णा राजकपुर ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यशाला में कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने 10 लाख करोड़ रुपए की जल जीवन मिशन योजना बनाकर गावों तक फिल्टर किया हुआ साफ पानी पहुंचा दिया है। इसे गांव के हर घर तक पहुंचाना और पानी की नियमित आपूर्ति बनाए रखने की जिम्मेदारी सरपंचों की है। शासन ने हाल ही में एसओआर के नए आदेश में ग्राम पंचायतों को 10 हजार रुपए तक के पेयजल संबंधी कार्य बिना किसी अनुमति के कराने के अधिकार दिए हैं। पेयजल व्यवस्था में सुधार के लिए आवश्यक संसाधनों की खेतीदी के लिए 15वें वित्त आयोग एवं अन्य मदों से अनुमति दी गई है। सरपंच अपने अंदर हर घर में नल



से जल पहुंचाने की इच्छाशक्ति भर कर लें तो जल जीवन मिशन का उद्देश्य पूरा हो जाएगा। सरपंच हर घर में नल से फिल्टर किया हुआ पानी पहुंचाकर पुण्य और यश दोनों कमायें। जल जीवन मिशन से केवल रीवा जिले में ही दो हजार करोड़ रुपए के निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि घरों में पानी पहुंचाने की जिम्मेदारी अब ग्राम पंचायत की है। हर घर में साफ पानी पहुंच गया तो अस्पताल की भीड़ आधी हो जाएगी। जल जीवन मिशन और पीएचई के इंजीनियर ग्राम

पंचायतों को पूरा सहयोग करेंगे। अधूरी पाइपलाइनों का निर्माण पूरा कराया जाएगा। लेकिन घरों में पानी की जिम्मेदारी पंचायत को ही लेनी होगी। यदि पंचायतें साफ पानी की नियमित आपूर्ति करेंगी तो उन्हें जल कर वसूल करने में भी कठिनाई नहीं होगी। इसके लिए महिला स्वसहायता समूहों का भी सहयोग लिया जा सकता है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यशाला में समूह नलजल योजना तथा एकल नलजल योजना के संचालन और संधारण के संबंध में दी जा रही जानकारीयों को आत्मसात करें।



मन में किसी भी तरह की शंका हो तो उसका समाधान कराएं। संकल्प के साथ हर घर को नल से पानी देने का प्रयास करें। जो सरपंच का कठिन चुनाव जीत सकता है उसके लिए पेयजल व्यवस्था बनाना बहुत आसान काम है। हम सब मिलकर प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत और स्वस्थ भारत के सपने को पूरा करें। कार्यशाला में सांसद जनार्दन मिश्र ने कहा कि ग्राम पंचायत समन्वय के साथ नलजल योजना संचालित करें। पीएचई विभाग ग्राम पंचायतों की तकनीकी

बाधाओं को दूर करें। ग्राम पंचायतों में पर्याप्त राशि उपलब्ध है। शासन के नए आदेशों से इसे खर्च करने का अधिकार भी पंचायतों को मिल गया है। एकल नलजल योजनाओं के बोरवेल में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रिचार्ज पिट का निर्माण कराएं जिससे उसमें पानी की कमी न रहे। विधायक मनगवां इंजी. नरेन्द्र प्रजापति ने कार्यशाला में कहा कि कार्यशाला से नलजल योजनाओं के संचालन की सभी बाधाएं दूर होंगी। जिले के साथ-साथ कार्यशाला को विकासखण्ड और

क्लस्टर स्तर पर आयोजित किया जाए। जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल ने जल जीवन मिशन के माध्यम से हर घर में नल से जल पहुंचाने के लिए सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यशाला में प्रभारी कलेक्टर तथा आयुक्त नगर निगम अक्षत जैन ने कहा कि नलजल योजनाओं की अधोसंरचना का विकास कर दिया गया है। ग्राम पंचायतें इसके संचालन की चुनौती को स्वीकार करें। जल कर की वसूली तथा जल स्रोतों में रिचार्ज पिट बनाने पर भी ध्यान दें। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने कहा कि नल जल योजना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ग्राम पंचायतें पूरी जिम्मेदारी के साथ इस योजना को लागू करें। गांव की विकास की कार्ययोजना में पेयजल व्यवस्था संबंधी कार्यों को भी अनिवार्य रूप से शामिल कराएं।

कलेक्टर ने सड़क दुर्घटना संभावित स्थल का किया निरीक्षण



मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने जिले के सड़क दुर्घटना संभावित स्थलों का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने कलेक्टर कार्यालय के समीप बरांव रोड एवं नेशनल हाईवे के इंटरसेक्शन प्वाइंट का निरीक्षण कर हाईवे के दोनों ओर ड्रम लगाकर बेरिकेटिंग करने की निर्देश दिये ताकि वाहनों की गति पर नियंत्रण रखा जा सके। उन्होंने नेशनल हाईवे के शार्पबेंड की सुगम करने के निर्देश भी दिये। उन्होंने अधिकारियों से कहा

कि दोनों स्थनों पर संकेतक अवश्य लगवायें। कलेक्टर ने मऊगंज अस्पताल के समीप तिराहे के निरीक्षण के दौरान मेन गेट के अंदर 100 मीटर सड़क निर्माण कराये जाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग सभी तिराहों व दुर्घटना संभावित स्थलों में ब्रोकर लगाकर साइन बोर्ड लगाया जाना सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र कुमार जैन, एसडीएम मऊगंज एपी द्विवेदी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।



KCC कंपनी की मनमानी से फूटा जनता का गुस्सा! सड़क बनी मौत का रास्ता, अब चक्काजाम की चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला में करोड़ों की लागत से बन रही फोरलेन सड़क परियोजना अब आम जनता के लिए राहत नहीं बल्कि भारी मुसीबत बनती जा रही है। रतहरा से चोरहटा तक निर्माणाधीन फोरलेन मार्ग में KCC कंपनी की कथित मनमानी और लापरवाही के खिलाफ अब स्थानीय लोग खुलकर सामने आ गए हैं। बोदाबाग वाई 8 और 9 के रहवासियों ने जिला प्रशासन को लिखित आवेदन सौंपते हुए भारी वाहनों के आवागमन पर रोक लगाने और खराब हो चुकी सड़क के तत्काल पुर्ननिर्माण की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो क्षेत्रवासी चक्काजाम आंदोलन करेंगे। स्थानीय नागरिकों द्वारा सौंपे गए आवेदन में आरोप लगाया गया है कि नीम चौराहा से अजगरहा मार्ग मूल रूप से हल्के वाहनों के लिए बनाया गया था लेकिन पिछले लगभग दो माह से KCC कंपनी द्वारा बायपास निर्माण में लगे भारी वाहन हाईवा,



डंपर और ट्रैलर इसी मार्ग से निकाले जा रहे हैं। लगातार भारी वाहनों की आवाजाही के कारण सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है और अब छोटे वाहनों तथा पैदल चलने वालों के लिए भी खतरा बन गई है। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि भारी वाहनों के कारण सड़क के साथ नई डली सीवर लाइन और पेयजल पाइप लाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि कई स्थानों पर सीवर का गंदा पानी पेयजल लाइन में मिल रहा है जिससे दूषित पानी को सफाई हो रही है और लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। वहीं दूसरी ओर निर्माण कार्य के दौरान बिना किसी डायवर्जन के सड़क बंद किए जाने से लोगों की

परेशानियां और बढ़ गई हैं। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे, कीचड़ और पानी जमा होने से रोज दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है। लोपहिया वाहन चालक जान जोखिम में डालकर निकलने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने चष्ट कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर से समस्या बताने की कोशिश की तो उनका रवैया बेहद अभद्र और तानाशाहीपूर्ण रहा। लोगों का कहना है कि प्रोजेक्ट मैनेजर ने साफ कहा जो करना है कर लो सड़क नहीं खोलेंगे, मुझ पर कोई कार्रवाई नहीं हो सकती। इस कथित बयान के बाद क्षेत्र में भारी आक्रोश फैल गया है। रहवासियों ने प्रशासन के सामने चार प्रमुख मांगें रखी हैं जिनमें इस मार्ग पर केवल

बायपास निर्माण कार्य में लगे सीमित वाहनों को प्रवेश देना सुबह 7 से दोपहर 12 बजे और शाम 5 से रात 10 बजे तक भारी वाहनों की आवाजाही बंद करना धूल रोकने के लिए नियमित पानी का छिड़काव कराना तथा ट्यूटी सड़क, नाली और पाइप लाइन का तत्काल सुधार कार्य शामिल है। आवेदन में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि प्रशासन ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो 31 मई 2026 को सुबह 9 बजे से स्थानीय लोग शांतिपूर्ण चक्काजाम आंदोलन करेंगे जिसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर जनता की शिकायतों के बावजूद प्रशासन KCC कंपनी पर कार्रवाई करने से क्यों बच रहा है? क्या करोड़ों की परियोजना के नाम पर आम लोगों की सुरक्षा और सुविधा से खिलवाड़ किया जा रहा है? फिलहाल रीवा में विकास कार्य से ज्यदा चष्ट कंपनी की कार्यप्रणाली चर्चा और विवाद की विषय बन चुकी है।

संभागीय आईटीआई में प्लेसमेंट

ड्राइव का आयोजन 2 को
मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासकीय संभागीय आईटीआई में 2 जून को प्लेसमेंट 10 बजे से प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया है। ट्रेनी के पद के लिए एजीआई ग्रीनफैक लिमिटेड, हिन्द वेयर तथा सीमेनी इम्प्रेसा में प्रशिक्षणशी प्लेसमेंट ड्राइव में भाग ले सकते हैं।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन क्रियान्वयन के लिए विशेष सेल गठित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सुर्यवंशी की अध्यक्षता में जिले में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के तहत एक वर्ष की अवधि के लिए निगरानी, व्यवस्थाओं एवं क्रियान्वयन के लिए विशेष सेल गठित किया गया है। सेल में सदस्य के तौर पर सीईओ जिला पंचायत, सभी एसडीएम,

वनमण्डलाधिकारी, आयुक्त नगर निगम एवं सभी नगर पालिका के अधिकारी, सीएमएचओ, क्षेत्रीय संचालक प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, उप संचालक कृषि, महाप्रबंधक उद्योग, श्रम अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, कार्यपालन यंत्री लोकनिर्माण, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा तथा कार्यपालन यंत्री नगरीय प्रशासन

एवं विकास को शामिल किया गया है। समिति के सचिव एवं समन्वयक परियोजना अधिकारी शहरी विकास अधिकरण होंगे। कलेक्टर ने सीईओ जनपद एवं नगर परिषदों के सीएमओ को निर्देश दिये हैं कि नगरीय व ग्रामीण स्तर पर वाई स्तरीय समिति का गठन किया जाना सुनिश्चित करें।

समर्पण भाव से कार्य कर मातृ मृत्यु दर को कम करने के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है: उप मुख्यमंत्री



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि समर्पण भाव से कार्य कर मातृ मृत्यु दर को कम करने के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिये राज्य सरकार द्वारा किये गये सतत प्रयासों के सकारात्मक परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। मध्यप्रदेश में मातृ मृत्यु दर में आई ऐतिहासिक गिरावट स्वास्थ्य तंत्र की प्रतिबद्धता, जमीनी स्तर पर कार्यरत अमले की मेहनत और आधुनिक तकनीक आधारित निगरानी प्रणाली का परिणाम है। शुक्ल ने श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय अन्तर्गत प्रसूति

एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा आयोजित मातृ मृत्यु दर को कम करने के संबंध में आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ किया।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश का एमएमआर 2018-20 में 173 था जो 2022-24 में घटकर 135 रह गया। यह 38 अंकों यानी लगभग 22 प्रतिशत की गिरावट है जो राष्ट्रीय औसत से दोगुनी से भी अधिक है। संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने, प्रशिक्षित डॉक्टर एवं स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित करने और आपातकालीन प्रसूति सेवाओं के विस्तार से सकारात्मक अनुपात को 70 से नीचे लाये। उन्होंने कहा कि प्रतिमाह की 9 व 25 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना के तहत आयोजित होने वाले स्वास्थ्य परीक्षण में डॉक्टर अनिवार्य उपस्थित रहें। आशा कार्यकर्ता प्रत्येक गर्भवती महिला का



पंजीयन करें तथा उनकी नियमित जांच व स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच से इस लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। शुक्ल ने वरिष्ठ चिकित्सकों से अपेक्षा की स्वास्थ्य केन्द्रों की नियमित जांच करें और टेली मेडिसिन को भी बढ़ावा दें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के निरंतर विस्तार, आशा कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी तथा दूरस्थ एवं आदिवासी क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतर पहुंच से ही इस चुनौती को

स्वीकार कर लक्ष्य की प्राप्ति की जा सकती है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रदेश हर क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन कर अपना महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर उपलब्धता व मातृ मृत्यु दर में कमी में भी हम देश में अपना स्थान प्राप्त करेंगे। अधोसंरचना विकास के क्षेत्र में रीवा पहला संभागीय मुख्यालय होगा जिसके चारो ओर रिंग रोड व वायपास की सुविधा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में मुंबई के टाटा अस्पताल की तरह ही

सुविधायुक्त कैंसर अस्पताल निर्माणाधीन है और रीवा मेडिकल हब बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

कार्यशाला में डीन डॉ. सुनील अग्रवाल ने कहा कि उप मुख्यमंत्री के प्रयासों से रीवा में स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह कार्यशाला उन्हीं के निर्देश पर आयोजित हो रही है जो मातृ मृत्यु दर को कम करने में सहायक होगी। विभागाध्यक्ष प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग डॉ. पद्मा शुक्ला ने कहा कि कार्यशाला में किये गये विचार मंथन से चिकित्सकों व मैदानी अमले को लाभ मिलेगा और रीवा जिले में मातृ मृत्यु दर को कम से कम करने में सफलता मिलेगी। कार्यशाला में डॉ. नरेश बजाज, डॉ. शशि जैन, संयुक्त संचालक डॉ. अवधिया, अधीक्षक डॉ. राहुल मिश्रा सहित चिकित्सक उपस्थित रहे।

सुविधायुक्त कैंसर अस्पताल निर्माणाधीन है और रीवा मेडिकल हब बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। कार्यशाला में डीन डॉ. सुनील अग्रवाल ने कहा कि उप मुख्यमंत्री के प्रयासों से रीवा में स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह कार्यशाला उन्हीं के निर्देश पर आयोजित हो रही है जो मातृ मृत्यु दर को कम करने में सहायक होगी। विभागाध्यक्ष प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग डॉ. पद्मा शुक्ला ने कहा कि कार्यशाला में किये गये विचार मंथन से चिकित्सकों व मैदानी अमले को लाभ मिलेगा और रीवा जिले में मातृ मृत्यु दर को कम से कम करने में सफलता मिलेगी। कार्यशाला में डॉ. नरेश बजाज, डॉ. शशि जैन, संयुक्त संचालक डॉ. अवधिया, अधीक्षक डॉ. राहुल मिश्रा सहित चिकित्सक उपस्थित रहे।

करने पर बालक और बालिका दोनों को 30 हजार रुपए तथा दूसरा स्थान प्राप्त करने पर 25 हजार रुपए की राशि दी जाती है। इसी तरह मेरिट सूची में तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले बालक और बालिका को 20 हजार रुपए तथा चौथा स्थान प्राप्त करने पर केवल बालिका को 15 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। मेरिट सूची में पाँचवा स्थान प्राप्त करने पर 10 हजार रुपए तथा छठवां स्थान प्राप्त करने पर 5 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि केवल बालिकाओं को दी जाती है। कक्षा बारहवीं की मेरिट सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर बालक और बालिका दोनों को 51 हजार रुपए तथा दूसरा स्थान प्राप्त करने पर 40 हजार रुपए की राशि दी जाती है। इसी तरह मेरिट सूची में तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले बालक और बालिका को 30 हजार रुपए तथा चौथा स्थान प्राप्त करने पर केवल बालिका को 20 हजार

रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। मेरिट सूची में पाँचवा स्थान प्राप्त करने पर 15 हजार रुपए तथा छठवां स्थान प्राप्त करने पर 10 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि केवल बालिकाओं को दी जाती है। योजना का लाभ केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों को ही दिया जाता है। इस योजना में आय सीमा का बंधन नहीं है।

कमिश्नर 3 को वीडियो कांफ्रेंसिंग से करेंगे समीक्षा
मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद 3 जून को एनआईसी के माध्यम से जिलों के कलेक्टरों से विभिन्न एजेंडा बिन्दुओं की समीक्षा करेंगे। शाम 4 बजे से 6 बजे तक बाढ़/मानसून तैयारी, पेयजल व्यवस्था, लोक सेवा गारंटी, वन अधिकार अधिनियम, उपार्जन एवं अन्य सामसायिक विषयों की समीक्षा वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से की जायेगी।